मासिक
कुमावत इंडिया
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com

वर्ष-3 | अंक-24 जुलाई-2020 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

ऐसा होगा राम मंदिर

प्रस्तावित मंदिर की नींव में 40 किलो चांदी की ईटें रखी जानी है।
प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में 5 अगस्त को
"भूमिपूजन" किया जाना है।

Asian

ABB

SIEMENS

HAVELLS

LAWKIM MOTORS GROUP

Godrej

ELMO

DC Motor

JAIPUR ELECTRIC SPARES
Station Road Jaipur Ph.0141-2206130

Mahesh Jalwal
PINK CITY ELECTRICALS
Vanansthali Marg Jaipur Ph.0141-2377833

Suresh Jalwal # 9825263822
MARUTI ELCTRICALS
2nd Floor Murali Chamber Nani Brahmpuri's Pole,
Khadia Char Rasta, Ahmedabad-1

Mohan Jalwal
SIMPSON DRIVES & CONTROLS PVT. LTD
32, Ram Nagar Colony Vanasthali Marg Jaipur
Ph.0141-2368706, 2368707

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : 2806, खड़गटा भवन,गणेश जी मंदिर के पास, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

मुख्य संरक्षक	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	मो. 9414994006
अध्यक्ष	:	हेमचन्द खड़गटा	मो. 9351682036
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	मो. 9887440666
सचिव	:	विनोद बालोदिया	मो. 9829059312
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	मो. 9549656438
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	मो. 9829056063
		रमेश कुमावत (गेदर)	मो. 9414554322
		मनोज सिरस्वा	मो. 9414043127
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	मो. 9414074376
		जयकिशन सोकिल	मो. 9829125428
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	मो. 9414263429

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, श्रीमती भारती वर्मा सह-सम्पादक 9414810584, राजेन्द्र जूनवाल, कुमावत प्रगति ट्रस्ट के अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, चन्द्र प्रकाश अजमेरा 9928088815, लालचन्द धुंधारिया 943335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, रोहित कुमावत (मोरवाल) 9887097092, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत , चेतन बालोदिया 9414052736 एवं श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397** **दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580** **सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444** **वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299** **मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188** **जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301** **कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402** **सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657** **उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044** **ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493** **किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499** **बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957** **सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक - 5000, संरक्षक - 3000, 10 वर्षीय - 1300 एवं 5 वर्षीय - 600

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ - 3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ - 2500, 1/2 पृष्ठ - 1300, 1/4 पृष्ठ - 700 रुपए

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2 : 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित किये जायेगें। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या : 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक हेमचन्द कुमावत (खड़गटा) द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं 2806, खड़गटा भवन, गणेश जी मंदिर के पास, मोती डूंगरी, जयपुर से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

आजकल अभिभावकों की आम शिकायत रहती है कि बच्चे टेलीविजन देखते रहते है, कंप्यूटर छोड़ते नहीं है और जब देखो मोबाइल पर गेम खेलते रहते हैं। बच्चे, माता - पिता व बड़ों का सम्मान करना भूल गए हैं। लेकिन खुद सोशल मीडिया, टेलीविजन, व्हाट्सएप, यू ट्यूब आदि पर व्यस्त रहने वाले माता पिता यह उम्मीद करते हैं कि उनके लाड़ले बिना भटकाव के पढ़ाई में मन लगाकर जीवन में कुछ बड़ा करेंगे। बच्चे एक अनगढ़ पत्थर की तरह होते हैं। माता-पिता अपनी महत्वाकांक्षाओं और सपनों को बच्चों पर थोपने की कोशिश करते हैं। उन्हें अपने बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा व सुंदर छवि दिखाई ही नहीं देती है। क्योंकि इसे तो एक शिल्पकार ही संवारकर खूबसूरत व्यक्तित्व प्रदान कर सकता है। इस प्रक्रिया में माता-पिता, शिक्षक, रिश्तेदार और समाज का योगदान होता है किंतु इसमें सावधानी की सख्त जरूरत होती है अन्यथा वह भीतर छिपी सुंदर छवि विकराल रूप ले सकती है। कहीं शिक्षक की डाट व मार से बचने के लिए स्कूल न जाकर बच्चा कहीं और जाने लग जाता है और गलत संगत के कारण वह बिगड़ जाता है सम्भव है बच्चे ड्रग माफिया के चंगुल में फंस जाए। यदि हम समय रहते सम्भाल नहीं पाए तो बच्चे आत्महत्या जैसे कदम उठा लेते है।

अति सुरक्षा व अनावश्यक संरक्षण के कारण बच्चे अपना स्वतंत्र व्यक्तित्व नहीं बना पाते हैं, ऐसी स्थिति में वह न तो निर्णय ले पाते हैं और ना ही किसी समस्या का समाधान खोज पाते हैं ज्यादा मानसिक दबाव के चलते वे भटक जाते हैं। बच्चों के व्यक्तित्व के निर्माण में सर्वप्रथम मां की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है, बच्चों को सम्यक प्यार, प्रेम मिले तो इसका उन पर सकारात्मक असर पड़ता है इनसे दोस्त की तरह व्यवहार करेंगे तो वे अपनी तमाम बातें व समस्याएं आपसे शेयर करेंगे और बिना हिचकिचाहट के खुलकर आप से बात कर सकेंगे। उनके उचित कार्यों में रुचि लेकर उनकी इच्छाओं का सम्मान कर, प्रेम करने से उनमें उत्तरदायित्व, सहयोग, सद्भावना आदि गुणों का विकास होगा और वह आपके अधूरे सपनों में रंग जरूर भरेंगे।

बच्चों में यदि शिक्षा और परीक्षा परिणामों की दृष्टि से विचार करें तो CBSE राजस्थान बोर्ड के परिणामों में गत 30 वर्ष से करीबन 20 से 30 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज की गई है साथ ही अधिकतर परिणाम में लड़कियां आगे आई है। उदाहरण के लिए 2020 में CBSE में 12वीं विज्ञान 88.87 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए जिनमें 92.15 प्रतिशत लड़कियां व 76.19 प्रतिशत लड़के, राजस्थान बोर्ड 12वीं कॉमर्स में 94. 49 प्रतिशत पास हुए उनमें 96.94 प्रतिशत लड़कियां व 93.18 प्रतिशत लड़के पास हुए। इसी प्रकार CBSE दसवीं में कुल 91.46 प्रतिशत पास हुए उनमें 93.31 प्रतिशत लड़कियां व 90.14प्रतिशत लड़के उत्तीर्ण हुए।

12वीं परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद बच्चों के लिए कई विकल्प उपलब्ध रहते हैं जिनमें एक विकल्प उच्च तकनीकी शिक्षा हेतु आईआईटी, इंजीनियरिंग और सरकार द्वारा विशेष योजनाओं के अंतर्गत चलाए जा रहे प्रशिक्षण केंद्र, कॉलेज अथवा विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु प्रतियोगिता परीक्षा, तकनीकी शिक्षा के अंतर्गत पॉलिटेक्निकल कॉलेज, आईटीआई, आरएसएलडीसी द्वारा संचालित केंद्र अथवा सरकार द्वारा चलाए जा रहे विशेष प्रशिक्षण संस्थान जिनमें स्किल डेवलपमेंट कर उन्हें रोजगार के लिए तैयार कर कौशल विकास के साथ-साथ उद्यमिता को बढ़ावा दिया जाता है।

दूसरे विकल्प में आगे पढ़ाई जारी रखने हेतु कालेजों में प्रवेश लेना है किंतु देखा जाए तो शिक्षा और रोजगार का आपस में कोई ज्यादा संबंध नहीं है क्योंकि शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य मनुष्य के अंदर के अच्छे विचारों, उनकी क्षमताओं का ज्ञान कराकर अच्छा और योग्य इंसान बनाना है किंतु आज शिक्षा का अर्थ रोजगार से लगाया जाता है। शिक्षा पूर्ण होने के पश्चात उचित समय में रोजगार नहीं मिलने पर भी बच्चे भटक सकते है। वर्तमान आवश्यकता को देखते हुए हमे व सरकार को कॉलेजों में पढ़ने वाले युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण से जोड़ना चाहिए ताकि पढ़ाई के साथ- साथ अथवा उसके पश्चात उन्हें रोजगार मिलना आसान हो। प्रधानमंत्री का स्किलइंडिया, मुद्रा योजना, स्टार्टअपपॉलिसी व आत्मनिर्भर भारत अभियान इसी दिशा में बढ़ाया गया कदम है। आओं हम भी अपने सपनों को संवारकरर विकास में सहभागी बने। इससे यकीनन सभी का विकास हो जायेगा।

- राम प्रकाश कुमावत

यहां पर यह देखें

सम्पादकीय	3
संरक्षक : श्री मदन लाल कुमावत	4
संरक्षक : श्रीमती प्रियंका कुमावत	4
श्री अनंत कुमार	5
श्रीमती राबाला बिर्थला व्यवस्था मंडल सदस्य मनोनीत	5
श्री जय किशन सोकिल ट्रस्टी मनोनीत	5
श्रीमती भारती वर्मा सह-सम्पादक मनोनीत	5
श्री राजेश कुमावत (धुंधारिया) व्यवस्थापक मण्डल सदस्य मनोनीत	6
श्री राजेश कुमावत (मरोडिया) व्यवस्थापक मण्डल सदस्य मनोनीत	6
श्री चेतन बालोदिया व्यवस्थापक मंडल सदस्य मनोनीत	6
विज्ञापन : खुखी कुमावत	6
कुमावत समाज भवन, मालवीय नगर, जयपुर के ब्रोशर का विमोचन	7
बाबू शोभाराम मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मुख्यमंत्री सहायता कोष में 5 लाख रु का चेक दिया	7
श्रीमती मंजूबाला पारमवाल, भू-अभिलेख निरीक्षक के पद पर पदोन्नत	8
श्री नवल कुमावत ट्रस्टी द्वारा त्यागपत्र	8
प्रदीप कुमावत के हत्यारों को शीघ्र गिरफ्तार करो	9
'कुमावत इंडिया' मासिक पत्रिका के व्यवस्थापक मण्डल के सदस्य	9
शीतल जल मंदिर	9
वरिष्ठ चित्रकार डॉ. नाथूलाल का सम्मान	9
राम मंदिर, अयोध्या	9
10वीं, 12वीं कक्षा में फेल विद्यार्थी निराश ना होना : इसे पढ़ें	10
12वीं पास छात्र-छात्राओं के लिए कैरियर बनाने का सुनहरा अवसर	10
कविता : लाड़ो	10
2020 के सफलतम छात्र-छात्राओं को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की हार्दिक बधाई व उज्ज्व भविष्य की शुभकामनाएं	11
प्रीत खोवाल फाइटर पायलेट बने	11
श्रद्धावन्त : स्व. श्री धनपतराम खोरानिया सुपुत्र श्री दौलत राम जी, इंजीनियर	12
मृत्युभोज जैसी कुप्रथा पर कानूनी रोक	13
विज्ञापन : बी.एल. नागा ट्रस्ट	15
विज्ञापन : कुमावत इंडिया महिला मण्डल	15
विज्ञापन : डॉ. संदीप नागा	15
विज्ञापन : यतिका कुमावत, कु. चारूल, कु. आस्था, श्री जयकिशन सोकिल	16
विज्ञापन : रूपन आर्टस, श्री जय किशन सोकिल	17
विज्ञापन : कुङ खुशी, कु. हर्षिता, सौ. वेनिका, परिधि	18
बाबा रामदेवजी	19
ढाणी कुमावंतन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, सांगानेर का नाम बदला	20
सामाजिक सशक्तिकरण में महिलाओं की भूमिका	21
बेटियां	22
कोरोनो काल - आर्थिक संकट से बचने का सवाल	23
विशिष्ठ संरक्षक/श्रद्धांजलि	25
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	26
विज्ञापन : बधाई श्री जस किशन सोकिल, बधाई : विवाह	27
विज्ञापन : श्रद्धांजलि/आभार	28
विज्ञापन : श्रद्धांजलि	29
विज्ञापन : बधाई	30

संरक्षक

श्री मदन लाल कुमावत

निवासी : 138, सूर्य नगर, गोपालपुरा, जयपुर

श्री मदन लाल कुमावत पुत्र श्री भंवरलाल कुमावत निवासी जयपुर है। आपके अविवाहित 1 पुत्र और दो पुत्रियां हैं। आप ज्वेलरी व प्रॉपर्टी के व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। आप MK GEMS(Jaipur), manufacturing and export of Gem and Jewellery, Shri Shyam Buildcon (Jaipur and Jodhpur) कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। आप बीजेपी से सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 43 के संयोजक एवं समाज सेवी हैं।

आपके 25 वर्षीय अविवाहित पुत्र ने MBA (International Business) में ITM, Navi Mumbai, ESSCA, Budapest (Hungary), EM Normandy, (France) करने के पश्चात @Nestaway Technologies, Mumbai कंपनी में Ex Senior Area Manager के पद पर कार्य किया वर्तमान में अपना व्यवसाय @Kalka International Gems and jewellery में मैनेजिंग डायरेक्टर है।

आपके दो पुत्रियां हैं। बड़ी पुत्री राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज जयपुर से टैक्सटाइल डिजाइन में डिप्लोमा व छोटी पुत्री INIFD, जयपुर से फैशन डिजाइनिंग में अध्ययनरत है। कुमावत इंडिया परिवार आपकी और परिवार के उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

संरक्षक

श्रीमती प्रियंका कुमावत

निवासी गोविन्दपुरी, सोडाला, जयपुर

श्रीमती प्रियंका कुमावत सुपुत्री मोहिनी देवी पिता जी श्री चिरंजीलाल जी सिरस्वा के परिवार में चेजारों का मोहल्ला दांता जिला सीकर में दिनांक 24.3.1985 को हुआ। आप पढ़ाई में बचपन से ही होशियार रही। आपके दो बड़े भ्राता एवं एक बड़ी बहन है। आपका विवाह गोविन्दपुरी सोडाला जयपुर में श्री रूपनारायण मारवाल के सुपुत्र श्री पुष्पेन्द्र कुमावत के साथ 30 जून, 2020 को द थीम होटल टोंक रोड जयपुर में सम्पन्न हुआ। पुष्पेन्द्र कुमावत की बड़ी बहन श्रीमती पूनम पत्नी श्री शैलेन्द्र खड़गटा तथा छोटी बहन श्रीमती स्नेहा पत्नी श्री रजत किरोड़ीवाल जयपुर में है।

बॉलीवुड के सदाबहार गायक मोहम्मद रफी की 39 वीं पून्यतिथी के अवसर पर व जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम व महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में भी कई कार्यक्रमों एंकरिंग कर चुकी है । हिंदी व उर्दू में अच्छी एंकरिंग के लिए अभिनेता क्षितिज कुमार ने भी प्रियंका की तारीफ करते हुए उज्वल भविष्य की कामना की थी। अपने दांता ग्राम टीम की प्रियंका मंच संचालन के अलावा सोशल मीडिया के दांता ग्राम पेज के लिए अक्सर ओडियो विडियों बनाती है ।

शेष पृष्ठ 14 पर

श्री अनंत कुमार

आपका जन्म श्री गणेश नारायण कारगवाल प्रसिद्ध हस्तशिल्पकार निवासी लालकोठी स्कीम, जयपुर के एक सामान्य परिवार में हुआ था। आप प्रारम्भ से ही प्रतिभावान हैं तथा आपने एलएलबी तक शिक्षाग्रहण करके जयपुर विकास प्राधिकरण की सेवा में चयनित हुए। हाल ही में आप उच्च पद पर पदोन्नत हुए हैं तथा 30 जून 2020 को निदेशक, विधि का पदभार सम्भाल लिया है।

आपकी पत्नी श्रीमती शकुंतला, प्रधानाध्यापिका, रा उ प्रा विधालय, हरनाथपुरा, जयपुर में प्रिन्सीपल हैं। आपकी बिटियां (1) डा साक्षी कुमावत, स्त्री व प्रसूति रोग विशेषज्ञ, गणगौरी बाजार अस्पताल जयपुर। दामाद डा टीकम कुमावत शिशु रोग विशेषज्ञ है तथा छोटी पुत्री राशि कुमावत,विवाहित, एम एन आई टी से बी टेक (गोल्ड मेल्डलिस्ट) दामाद डा महेश कुमावत, सिविल न्यायाधीश (आर जे एस) बाली, पाली राजस्थान है।

शेष पृष्ठ 8 पर

श्रीमती राजबाला बिर्थला व्यवस्था मंडल सदस्य मनोनीत

श्रीमती राजबाला बिर्थला निवासी नंद भवन, कल्याण जी का रास्ता, इंदिरा बाजार, जयपुर की निवासी है मो. नं. 7976475370 आप समाज सेविका है आपने अखण्ड कुमावत क्षत्राणी समूह आर्यवर्त, जयपुर के द्वारा अविवाहित युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन करवाती रहती हैं आप भारतीय जनता पार्टी के किशनपोल मंडल, जयपुर में कार्यकारिणी सदस्य हैं। हाल ही में आपको 'एक विचार एक सोच' संस्था द्वारा राजस्थान का प्रभारी नियुक्त किया है संस्था का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण करना, हिंदी भाषा का प्रसार और स्वदेशी अपनाकर चाइनीज सामान का बहिष्कार करना है। आपने कुमावत समाज की महिला सेविका के रूप में कई उल्लेखनीय कार्य किए। आपका दूसरा मिशन AWPL आयुर्वेद कंपनी से जुड़कर समाज में लोगों की बीमारियों को आयुर्वेद दवाइयों द्वारा इलाज कर व आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए प्रयास कर रही है।आप श्री ओम प्रकाश जी कंडेरीवाल प्रसिद्ध विचारक और समाजसेवी की पुत्रवधू हैं।

शेष पृष्ठ 8 पर

श्री जय किशन सोकिल ट्रस्टी मनोनीत

श्री जय किशन सोकिल पुत्र श्री केसर मल जी सोकिल निवासी चौमूं, जयपुर को कुमावत प्रगति ट्रस्ट का ट्रस्टी मनोनीत किया गया है। आप कुमावत इंडिया पत्रिका के विशिष्ठ संरक्षक सदस्य हैं तथा कुमावत इंडिया पत्रिका को पिछले दो वर्ष से विज्ञापन के माध्यम से सहयोग करते रहे हैं।

आप द्वारा वर्ष 1999 में एक ट्रेक्टर खरीदकर उस पर क्रेन बनाकर क्रेन के व्यवसाय की शुरुआत की गई थी। अल्प समय में ही आपने विदेशी टेक्नोलॉजी के समकक्ष स्वचालित तथा आधुनिक क्रेन निर्मित की है तथा आप क्रेन के व्यवसाय में देश के नामी व्यवसायियों की श्रेणी में आ गए हैं। आपने अपनी प्रतिभा, लगन एवं मेहनत से अपने परिवार के साथ मिलकर इस व्यवसाय को खड़ा किया है। आपसे समाज के नये व्यवसायियों को प्रेरणा मिली है।

शेष पृष्ठ 8 पर

श्रीमती भारती वर्मा सह-सम्पादक मनोनीत

श्रीमती भारती वर्मा (तोंदवाल) को कुमावत प्रगति ट्रस्ट द्वारा कुमावत इंडिया पत्रिका का सह-सम्पादक मनोनीत किया गया है। आप शिक्षिका हैं तथा सामाजिक कार्यों में सदैव अग्रणीय रहती हैं। आप द्वारा अनेक सामाजिक कार्यक्रमों में एंकरिंग करके अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। आप द्वारा दिये गये सामाजिक लेख पत्रिका में प्रकाशित हुए हैं जिन्हें समाजजनों द्वारा सराहा गया है। आपमें परिवार-राज्य सेवा-सामाजिक सेवा में स्वस्थ तालमेल बैठाने की अद्वितीय प्रतिभा है। आप कुमावत इंडिया पत्रिका प्रारम्भ होने से ही पत्रिका से जुड़ी हुई हैं तथा पत्रिका को यथा योग्य सेवा दी है। सह-सम्पादक के रूप में आप कुमावत इंडिया पत्रिका को और अधिक बुलन्दियों पर पहुंचाने का कार्य करेंगी ऐसी सभी को अपेक्षा है। 'कुमावत इंडिया' के सह-सम्पादक बनने पर कुमावत इंडिया पत्रिका परिवार एवं कुमावत प्रगति ट्रस्ट की ओर से आपको बधाई एवं शुभकामना।

श्री राजेश कुमावत (धुंधारिया) व्यवस्थापक मण्डल सदस्य मनोनीत

श्री राजेश कुमावत पुत्र श्री भंवरलाल जी धुंधारिया निवासी डूंडलोद हाउस कॉलोनी, हवासड़क, जयपुर जो मिश्र राजाजी का रास्ता, इंदिरा बाजार, जयपुर में कनक मिक्सिंग सेंटर के नाम से फोटोग्राफी व्यवसाय करते हैं को कुमावत प्रगति ट्रस्ट द्वारा 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के व्यवस्थापक मण्डल का सदस्य मनोनीत किया गया है। आप द्वारा श्रीमती भंवरीदेवी चैरिटेबल सोसायटी का संचालन अनेक वर्षों से आपकी माताजी की स्मृति में किया गया है जिसमें अब तक लगभग 11 बार रक्तदान शिविर एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन हो चुका है। आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

व्यवस्थापक मण्डल सदस्य बनने पर कुमावत इंडिया पत्रिका परिवार एवं कुमावत प्रगति ट्रस्ट की ओर से आपको बधाई एवं शुभकामना।

श्री राजेश कुमावत (मरोडिया) व्यवस्थापक मण्डल सदस्य मनोनीत

श्री राजेश कुमावत पुत्र स्व. श्री फूलचन्द जी मरोडिया को कुमावत प्रगति ट्रस्ट द्वारा 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के व्यवस्थापक मण्डल का सदस्य मनोनीत किया गया है। आप द्वारा अनेक प्रतिष्ठित कम्पनियों में एकाउन्टस हैड व लेखा सलाहकार के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। शिक्षा के क्षेत्र में आपने ख्याति अर्जित की है। आप द्वारा वर्ष 2010 में कलर्स इंटरनेशनल स्कूल, नारायण विहार, जयपुर तथा वर्ष 2018 में दिल्ली पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल, बांदीकुई जिला दौसा में स्थापित की है। आप एवं आपकी पत्नी श्रीमती कविता वर्मा की मेहनत एवं लगन से आपकी इन दोनों स्कूलों ने महत्वपूर्ण उपलब्धी प्राप्त की है। इन स्कूलों के माध्यम से आधुनिक तरीके से शिक्षा दी जाती है।

आप सामाजिक संस्थाओं को विज्ञापन आदि के माध्यम से सहयोग देते हैं तथा 'कुमावत इंडिया' पत्रिका से आप लम्बे समय से जुड़े हुए हैं। आपकी प्रतिभा एवं सामाजिक सेवाओं को सम्मान देते हुए आपको 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के व्यवस्थापक मण्डल का सदस्य बनाया गया है। कुमावत इंडिया पत्रिका परिवार एवं कुमावत प्रगति ट्रस्ट की ओर से आपको बधाई एवं शुभकामना।

श्री चेतन बालोदिया व्यवस्थापक मंडल सदस्य मनोनीत

श्री चेतन बालोदिया पुत्र स्व. श्री देवीलाल बालोदिया हाल निवासी 26, नालन्दा विहार, महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के व्यवस्थापक मण्डल का सदस्य मनोनीत किया गया है। आप वर्ष 1976 से प्रिंटिंग लाइन का कार्य सीख कर इस व्यवसाय में आए। आप द्वारा राज ब्लॉक्स के नाम से चौड़ा रास्ता जयपुर में प्रिंटिंग एवं प्रोसेसिंग कम्पलीट सॉल्यूशन का कार्य अपने भ्राता श्री विनोद बालोदिया के साथ प्रारम्भ किया तथा शीघ्र ही राज ब्लॉक्स ने प्रिंटिंग व्यवसाय में ख्याति अर्जित कर ली। आपके भ्राता और आप द्वारा मेहनत एवं लगन से कार्य करते हुए व्यवसाय का विस्तार किया तथा राज प्रिंट लाइन एक नई फर्म प्रारम्भ की। अभी चौड़ा रास्ता के अलावा बाईस गोदाम में आपका व्यवसाय संचालित है। आपके पुत्र श्री रवि भी इस कार्य में आपका सहयोग कर रहे हैं।

आप सामाजिक गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। आपके कुमावत इंडिया पत्रिका के व्यवस्था मण्डल का सदस्य बनने से पत्रिका को और गति मिलेगी ऐसी आशा है।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हमारी लाड़ली

कु. खुशी कुमावत(मारवाल)

सुपुत्री डॉ. हेमा एवं नरेश कुमावत

(डेंटल सर्जन) (एसडीई BSNL)

को CBSE 10वीं बोर्ड में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर

शुभाशीष, हार्दिक बधाई एवं उत्तरोत्तर प्रगति की मंगल कामनाएँ

शुभेच्छु

दादा-दादाजी : रुपचंद कुमावत-पार्वती देवी, राम प्रकाश-सुनिता, राजकुमार-उमा, जयसिंह-कौशल्या, सत्यप्रकाश-शकुन्तला ताऊ-ताई जी : महेश चन्द कुमावत-शालिनी देवी, गीतेश कुमावत-हर्षा चाचा-चाची : देवेश-योगिता, आशीष-प्रियंका, रोहनपाल सिंह बुआजी-फुफाजी : प्रकाश-स्व. नेकचन्द जी, विद्या-स्व. प्रहलाद जी, मंजू-कजोड़ जी, मेघना-दिलीप जी, सोमा-सुधीर जी, अरुणा (टीना)-चन्द्रप्रकाश जी, सोनिया-योगेश, मोनिका-चन्द्रशेखर जी, रुबिया-विजेन्द्र, श्रृष्टि-सुमित जी, वापिका सिंह एवं समस्त मारवाल परिवार(टीकी वाले)

433ए, सूर्यनगर, गोपालपुरा, जयपुर(राज.)

कुमावत समाज भवन, मालवीय नगर, जयपुर के ब्रोशर का विमोचन

कुमावत क्षत्रिय समाज भवन निर्माण एवं संचालन समिति, मालवीय नगर, जयपुर के ब्रोशर का विमोचन दिनांक 8 जुलाई, 2020 को भवन प्रांगण में किया गया। इस समय समिति अध्यक्ष श्री हरीशचन्द्र पारमवाल, मंत्री श्री सुरेश धमुनिया, कोषाध्यक्ष श्री राम गोपाल नीमिवाल व कार्यकारिणी सदस्यों के साथ कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के अध्यक्ष श्री रमेश चंद गेदर, श्री चेतन कुमावत एवं अनेक समाज बंधु उपस्थित थे।

इस भवन में बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर व प्रथम मंजिल बनी हुई है, जिसमें बेसमेंट का प्लास्टर व्हाइट पुट्टी व विद्युत कार्य हो चुका है किन्तु शेष निर्माण ढांचे के रूप में है व इसकी फिनिशिंग करके उपयोग योग्य बनाया जाना है। अभी निर्माण कार्य जारी है व समिति ने 21 अप्रैल 2021 तक इसे पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है इसकी अनुमानित लागत रू 75 लाख बताई गई है।

यह भवन जयपुर शहर के मध्य व पोश इलाके में स्थित है यह बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन व एयरपोर्ट से नजदीक है तथा निकट ही विश्व विद्यालय, अस्पताल आदि संस्थान है। तैयार होने पर इसमें 30' X 60' के 2 हाल, 2 बड़े कमरे, 14 कमरे अटेच बाथ रूम, कार्यालय कक्ष होंगे। सामाजिक कार्यों, छोटे उत्सवों, संगोष्ठियों व बाहर से आने वाले समाज बंधुओ के लिए यह भवन उपयोगी होगा।

इस अवसर पर श्री हरीश पारमवाल द्वारा भवन के निर्माण हेतु सहयोग करने की अपील की, जिससे भवन की फिनिशिंग निर्धारित समय में पूरी की जा सके। समिति की कार्यकारिणी को इस कार्य में अपना अधिकतम समय दे कर समाज से राशि संग्रहित करने की अपील की साथ ही कहा कि श्री पारमवाल जैसे व्यक्ति के लिए यह मुश्किल कार्य नहीं है।

पिछले वर्ष बरसात के मौसम में **इस भवन की छत पर दड़ व पानी निकासी के पाईप नहीं होने से भवन में पानी भर गया था, समिति को इस कार्य को प्राथमिकता से करा कर भवन को वर्षा जल भराव एवं इससे भवन को होने वाली क्षति से बचाना चाहिए।** श्री रमेश चन्द गेदर ने इस अवसर पर कहा कि भवन को तैयार करने में पहले ही काफी विलम्ब हो चुका है तथा इसे शीघ्र पूरा करने का आग्रह किया।

इस भवन को समाज के उपयोग योग्य बनाने के लिए समाजजन नवनिर्वाचित समिति से आशा रखते है। कुमावत इंडिया पत्रिका इस कार्य के लिए शुभकामना देती है।

बाबू शोभाराम मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मुख्यमंत्री सहायता कोष में 5 लाख रु का चेक दिया

10 जुलाई 2020 को राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री जननायक श्री अशोक गहलोत से भेंट करके उनके आवास पर बाबू शोभाराम मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से ट्रस्ट के अध्यक्ष

पूर्व आईपीएस अधिकारी श्री महेन्द्र कुमावत, उपाध्यक्ष पचपदरा विधायक श्री मदन प्रजापत, उपाध्यक्ष डूंगरराम गेदर ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात करके 'मुख्यमंत्री सहायता कोष-कोविड-19' में 5 लाख रूपए का चेक सौंपा। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बाबू शोभाराम मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के कार्यों की प्रशंसा की। ट्रस्ट के तमाम पदाधिकारियों का आभार व सहयोग के लिए सभी समाज बंधुओं व कार्यकर्ताओं को साधुवाद। इस मानवीय कार्य के लिए दी गई सहायता राशि के लिए कुमावत इंडिया पत्रिका इस ट्रस्ट के कार्यों की प्रशंसा करती है व आशा करती है की यह ट्रस्ट बाबू शोभाराम कुमावत के कार्यों को आगे बढ़ाएगा।

श्रीमती मंजूबाला पारमवाल, भू-अभिलेख निरीक्षक के पद पर पदोन्नत

श्रीमती मंजूबाला पारमवाल पत्नि श्री नन्द किशोर पारमवाल का जन्म ग्रामीण पृष्ठभूमि के किसान परिवार नागौर जिले के नावा तहसील के ग्राम कासेड़ा में हुआ। आपके भाई केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में इंस्पेक्टर है तथा दूसरे नौ सेना से सेवानिवृत्त है व पिताजी डाक तार विभाग में सुपरवाइजर के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। आपकी प्रथम नियुक्ति वर्ष 2000 में पटवारी के रूप में जोधपुर में हुई। कुमावत समाज से राजस्थान में महिला वर्ग से नियुक्त होने वाली की प्रथम महिला पटवारी और पदोन्नत होकर भू-अभिलेख निरीक्षक बनने वाली प्रथम महिला है। आपका ससुराल अजमेर जिले के मदनगंज किशनगढ़ में है व पति श्री नंद किशोर पारमवाल भी ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग में वर्ष 1999 से सेवारत् है। आपके 2 पुत्र हैं जो वर्तमान में कक्षा 9 व 6 में अध्यनरत है तथा पांच विवाहित ननद है जो उच्च शिक्षित है, इनमें से तीन ने बी. एड. की है। अर्थात आपका ससुराल पक्ष और पीहर पक्ष दोनों शिक्षित है।

आप एवं आपके पति श्री नन्द किशोर पारमवाल समाजसेवा में भी संलग्न है तथा समाज के लोगो को सरकारी योजनाओं की जानकारी दे कर सरकार से सहायता दिलाने में मदद की है।

आपकी पदोन्नति पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की और से बधाई व शुभकामना।

श्री नवल कुमावत ट्रस्टी द्वारा त्यागपत्र

कुमावत प्रगति ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री नवल कुमावत जिनका कार्यकाल दिनांक 29 जुलाई, 2020 को पूर्ण हो रहा था उनके द्वारा कार्यकाल समाप्ति से चंद दिन पूर्व अपना त्याग पत्र दिया गया है। कुमावत प्रगति ट्रस्ट द्वारा इनके द्वारा दिया गया त्याग पत्र स्वीकार कर लिया गया है।

ट्रस्टी बनने के बाद शुरुआत में आपने उल्लेखनीय सेवाएं दी थी तथा ट्रस्टी के साथ-साथ आपको कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी भी दी गई थी, जिसे आप द्वारा दो वर्ष तक निभाई है।

ट्रस्टी के रूप में किये गये कार्यों के लिए आपको धन्यवाद तथा त्यागपत्र स्वीकार होने पर समस्त ट्रस्टियों की ओर से भावभिनी विदाई। आशा करते हैं कि आप कुमावत इंडिया पत्रिका को आगे भी अपना सार्थक सहयोग देते रहेंगे।

श्रीमती राजबाला बिर्थला व्यवस्था मंडल सदस्य मनोनीत

पृष्ठ 5 से आगे...

'एक विचार एक सोच मंच' संस्था ने मुझे राजस्थान का राजस्थानी प्रभारी नियुक्त किया है अभी राजस्थान में सभी जिलों के सदस्य जोड़ने हैं इसके लिए इच्छुक समाजजन अपना नाम इन्हें भिजवा सकते हैं। एक विचार एक सोच संस्था का मुख्य उद्देश्य है पर्यावरण संरक्षण करना है पर्यावरण को बचाना है धरती को बचाना है पॉलिथीन को बंद करना व हिंदी का प्रचार करना है भारत में बनी स्वदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल करना है। इनका कहना है कि एक अभियान चलाया जा रहा है कि सभी लोग अपने जन्मदिन पर एक पौधा लगाएं और शाम को उतने दीपक जलाएं जितने वर्ष के आप हो गए हैं।

'एक विचार - एक सोच मंच' संस्था ने श्रीमती राजबाला बिर्थला, समाज सेविका को राजस्थान के प्रभारी नियुक्त किया है उसके लिए कुमावत इंडिया पत्रिका द्वारा राजबाला जी को बहुत शुभकामनाएं।

श्री जय किशन सोकिल ट्रस्टी मनोनीत

पृष्ठ 5 से आगे...

चौमूं में जब से सामूहिक विवाह सम्मेलन प्रारम्भ हुए हैं तब से आप इसे तन, मन, धन से सहयोग देते रहे हैं। आप अभी कुमावत विकास सेवा संस्थान चौमूं के अध्यक्ष हैं तथा आपकी इस संस्था में गरीब एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को लाखों रुपए की छात्रवृत्ति देकर उनका सहयोग किया है एवं उत्साह बढ़ाया है। इसके अतिरिक्त भी आप सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़कर हिस्सा लेते हैं व सहयोग देते हैं।

ट्रस्टी बनने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार एवं कुमावत प्रगति ट्रस्ट की ओर से आपको बधाई एवं शुभकामना।

श्री अनंत कुमार

पृष्ठ 5 से आगे...

आपका बड़ा पुत्र श्री विपुल कुमावत, बी टेक, एल एल बी, वकालत कर रहे हैं तथा दूसरा बेटा भानु कुमावत, एम बी एस एस में अध्ययनरत है। आप सरल स्वभाव एवं प्रतिभावान व्यक्तित्व के धनी हैं, जेडीए में विधिक सेवा के उच्चतम पद (निदेशक विधि) पर पदोन्नत होने से कुमावत समाज गौरवान्वित हुआ है। आपने अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाकर समाजजनों का मार्ग प्रशस्त किया है।

कुमावत इंडिया पत्रिका की ओर से बधाई एवं उज्वल भविष्य की कामना।

राम मंदिर, अयोध्या

प्रस्तावित राम मंदिर का शिलान्यास 5 अगस्त 2020 को होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 12:15 दोपहर में नींव रखेंगे, भूमि पूजन 11 पंडितों की टीम करायेगी। नींव में 40 चाँदी की ईंटें रखी जायेंगी। देशके विभिन्न धार्मिक स्थलों से मिट्टी मंगवाई गई है, जो नींव में रखी जानी है। प्रयागराज से त्रिवेणी का जल मंगवाकर भूमि भूजन में उपयोग में लिया जायेगा।

मंदिर के प्रस्तावित नक्शे में कुछ बदलाव किया गया है। अब दो की जगह मंदिर तीन मंजिला होगा, वहीं ऊँचाई 128 फीट से बढ़ाकर 161 फीट की गइ हे, गुम्बदों की संख्या भी 3 से 5 की गई है। अब मंदिर के प्रत्येक तल में 106 खम्बे तथा कुल 318 खम्बे होंगे तथा मंदिर परिसर का क्षेत्र बढ़ाया गया है। दर्शक क्षमता 20,000 से 50000 की गई है। मंदिर का आकार पहले से 10000 फीट बढ़ा कर 84600 फीट किया गया है। अब मंदिर 268'×140' का कर दिया गया है किन्तु मॉडल लगभग पुराने मॉडल जैसा रखा गया है।

आइये, 5 अगस्त को नींव के मुहुर्त बाद सायं हम अपने घरों में दीपक जलायें। इस दिन रामराज्य की शुरुआत होगी ऐसा हिन्दु लोग मान रहे हैं।

प्रदीप कुमावत के हत्यारों को शीघ्र गिरफ्तार करो

गत दिनों प्रदीप कुमावत कि डूंडलोद में कुछ अज्ञात हमलावरों ने हमला करके हत्या कर दी थी पुलिस अज्ञात हमलावरों का पता लगाने में विफल रहने के बाद समाज बंधुओं ने जिला पुलिस उप अधीक्षक नवलगढ़ के नाम ज्ञापन सौंपा कि जल्द से जल्द हत्यारों का पता लगाये। मृतक के भाई राजकुमार कुमावत, सुभाष कुमावत, मदन कुमावत, निलेश कुमावत, जितेंद्र कुमावत, गुलजारी लाल कुमावत, गिरधारी लाल कुमावत, नरेंद्र कुमावत, राजेंद्र गेदर आदि साथ थे।

श्री डुगंर राम गेदर, महेन्द्र चंदवा कुमावत व सुभाष खरेशीया के नेतृत्व में नवलगढ़ के सजातीय बंधुओं को लेकर जिला पुलिस उप अधीक्षक नवलगढ़ कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन दिया व नवलगढ़ में प्रदीप कुमावत के परिवारजनों से मिलकर सांत्वना दी।

'कुमावत इंडिया' मासिक पत्रिका के व्यवस्थापक मण्डल के सदस्य

श्री लाल चन्द कुमावत धुंधारिया निवासी आनन्दपुरी जयपुर राजस्थान सरकार के नागरिक सुरक्षा विभाग में सेक्टर वार्डन हैं। आप द्वारा कोरोना महामारी के दौरान गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के लिए प्राप्त खाद्य सामग्री का प्रशासन के निर्देशानुसार दिनांक 22.3.2020 से लगातार घर-घर वितरण कर रहे हैं।

आप कुमावत क्षत्रिय समाज की विभिन्न समितियों एवं अन्य असामाजिक संस्थाओं के आजीवन सदस्य हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका आपके कार्य की प्रशंसा करती है एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

शीतल जल मंदिर

कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकतनगर टोंक फाटक जयपुर के द्वारा प्रति वर्ष किसान मार्ग पर धर्मार्थ प्याऊ का संचालन किया जाता है। इस वर्ष लॉकडाउन के कारण केवल दो माह के लिए इसे संचालित किया गया है। धर्मार्थ प्याऊ पर जनता को प्रात: 9 बजे से सायंकाल 7 बजे तक शीतल जल पिलाया जाता है। साथ में प्याऊ पर पशुओं के लिए सीमेंट की टंकी रखकर पानी पीने की व्यवस्था की गई है।

- राम प्रकाश मारवाल, मंत्री

वरिष्ठ चित्रकार डॉ. नाथूलाल का सम्मान

प्रदेश के वरिष्ठ चित्रकार डॉ. नाथूलाल वर्मा (कैकट्या) पचपपन वर्ष से कला के क्षेत्र में सक्रिय हैं, आपका कला के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान को देखते हुए स्नेहिल कला संस्थान, देहरादून द्वारा **''अन्तर्राष्ट्रीय लाइफ टाइम्स एचिवमेंट अर्वाड''** से सम्मानित किया गया है। वर्मा जी पारम्परिक चित्रकला व अराइश चित्रण कला, जो प्राय: लुप्त होती जा रही थी, उसकी युवा कलाकारों को तकनीकी जानकारियां देकर लुप्त होने से बचाया है। वर्मा का इससे पूर्व भी राष्ट्रीय, अखिल भारतीय एवं राज्य स्तरीय पुरष्कारों से अनेकों बार सम्मानित किया जा चुका है। आप चित्रकला विभाग राजस्थान विश्वविद्यालय से आचार्य पद से सेवा निवृत्त हैं।

10वीं, 12वीं कक्षा में फेल विद्यार्थी निराश ना होना : इसे पढ़ें

10वीं, 12वीं में फेल छात्रों के माता-पिता, बच्चे को कुछ भी नहीं कहें, अगर ज्यादा कुछ कहा तो बच्चा अवसाद (डिप्रेसन) में आ जायेगा। उसके बदले उसे कहें कोई बात नहीं बेटा अगली बार अवश्य अच्छे नम्बरों से पास होगा। ज्ञान (बुद्धि) गौड़ गिफ्ट है हम तो निमित्त मात्र हैं। मैं यहा 5-7 उदाहरण दे रहा हूँ- मेरे परिवार का एक सदस्य 10वीं पास करके आईटीआई कर आज सरकारी नौकरी कर रहा है। मैंने गत तीन वर्षों में इसी विषय में अपने लेख में लिखा था कि 10वीं के कम पढ़े लिखों नें भारत में नाम कमाया है, जिनमें श्री बद्रीनारायण कैकटिया, भैरूजी का चौराहा, जयपुर निवासी ने जयपुर की रिजर्व बैंक बिल्डिंग, दुर्लभजी का एकरेल्डा हाउस, वहीं पर सुराना हाउस, मालन के चौराहे पर कोनर्र की बिल्डिंग, जौहरी बाजार में एल.एम.बी. आदि बिल्डिंग के नक्शे एवं निर्माण कराये। इसी क्रम में चंडीगढ़ बसाने पर स्व. श्री गिरधारी लाल वर्मा (खड़गटा) का महत्वपूर्ण योगदान है जबकि उनके पास कोई आईटीआई डिप्लोमा नहीं था।

अब आपको खण्ड़ेला (सीकर) के महादेव बाबा के शिष्य पद्मश्री कृपाल सिंह शेखावत, स्व. श्री भंवरलाल मारवाल के शिष्य सुभाष तोंदवाल आदि कलाकारों ने भारत में नाम एवं पैसा कमाया है। जयपुर के ही श्री उदय राम घोड़ेला ने फोटोग्राफी में 100 वर्ष पूर्व महाराजा जयपुर की एम.आई. रोड 'उदयभवन' में ऊपरी मंजिल में आकर फोटो बनवाई थी। उन्होंने इतनी लम्बी भव्य इमारत बनाई जिसके आगे की ओर एम.आई. रोड व पीछे कॉलोनी की रोड है। इसी क्रम में श्री श्योजीराम जी घोड़ेला चूने वाले लाल सूरखी व लकड़ी आदि विक्रेता ने सी-स्कीम तथा लालकोठी मंगल मार्ग जयपुर में करोड़ों रुपये की बिल्डिंग बनाई एवं समाज सेवा भी की। समाज के ऐसे कई व्यापारियों ने काफी लोगों को रोजगार दिया था तथा दे रहे हैं जिससे प्रथम पंक्ति के भामाशाह श्री भीवांराम पन्नालाल ठेकेदार हैं।

इतना लिखने का तात्पर्य यह है कि लड़का पढ़ने में अधिक होशियार नहीं है तो बैंकों से सहायता लेकर व्यापार प्रारम्भ करा सकते हो। दुनिया का खरबपति अलीबाबा के नाम से व्यापार कर रहा जो वह प्रारम्भिक शिक्षा में कई बार फेल हो गया था। समाज के 10-20 भामाशाह के बारे में मालूम करना चाहे तो मेरे घर के दरवाजे 24 घन्टे खुले हैं व मोबाईल फोन पर स्वागत है।

हेमचन्द खड़गटा, जयपुर, 9351682036

12वीं पास छात्र-छात्राओं के लिए कैरियर बनाने का सुनहरा अवसर

12वीं पास छात्र-छात्राओं B.A. B.Com. Bsc. करने के बजाए राज्य के इंजीनियरिंग कॉलेजों से B.Tech. और B. Arch कोर्स कर सकते हैं। नियमानुसार J.E.E. मेन परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों को वरीयता सूची के अनुसार कॉलेज और ब्रांच आवंटित की जाती है। इस बार कोरोना संक्रमण के चलते तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा 12वीं में 50 प्रतिशत अंकों के साथ फिजिक्स, कैमिस्ट्री तथा गणित में उत्तीर्ण छात्रों को भी इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश देने का फैसला किया गया है।

फार्म भरने की तिथियां:

B.Tech में आनलाइन फार्म 30 जुलाई से 20 अगस्त 2020 तक

B. Arch. में ऑनलाइन फार्म 21 सितम्बर से 3 अक्टूबर 2020 तक

12वीं पास (कॉमर्स) छात्र-छात्रायें क्या करें :-

(i) B.ed करके Teaching Line का कंपीटिशन देवे। अन्य सेवाओं में जाने वाले छात्रों को B.Com. में प्रवेश या प्राइवेट शिक्षा लेनी चाहिए। आगे M.com. भी कर सकते हैं।

(ii) अच्छे अंकों से उत्तीर्ण छात्र-छात्रायें C.A. करना चाहते हैं तो उन्हें C.A. के साथ-साथ B.Com. करना चाहिए। अगर किन्हीं कारणों से C.A. नहीं हो पाये तो B.Com. के बाद कम्पीटिशन की तैयारी करके अच्छी नौकरी प्राप्त कर सकते हैं।

(iii) C.A. करने वाले छात्र-छात्राओं को द्वारा LLB (5 साल) में प्रवेश लिया जाना चाहिए। प्राईवेट विश्वविद्यालय 80 हजार से 1 लाख रुपए प्रतिवर्ष की फीस लेकर प्रवेश दे रहे हैं।

- **नानग राम कुमावत (धुंधारिया)** सेवानिवृत्त राजस्थान विश्वविद्यालय

कविता

लाड़ो

वह नन्ही सी इक हूर परी,
ना जाने कब हो गई बड़ी।
थामा करती थी जिसके नन्हे हाथ,
खड़ी है आज, यू मेरे साथ।
'आईना' बनके मेरी खोई पहचान का,
कुछ दबे सपनों को पर देती ऊंची उड़ान का।
'वो' जिसे चलना सिखाया था मैंने,
'वो' जिसे उड़ना सिखाया था मैंने,
'वो' जिसे खिलना सिखाया था मैंने,
'वो' कभी जो मैं भी थी,
कोई और नहीं---- मेरी लाडो,
तू ही तो प्रतिबिंब है मेरी उस मुस्कान का।

-रिचा दिल्लीवाल,
74 गोवर्धन कॉलोनी, सोडाला, जयपुर

2020 के सफलतम छात्र-छात्राओं को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की हार्दिक बधाई व उज्ज्व भविष्य की शुभकामनाएं

12वीं साईंस राजस्थान बोर्ड

प्राप्तांक %	नाम	पिता-माता का नाम	स्थान
98.90	अशोक	श्री प्रहलादराम-ओमवती	चूरू
97.20	रवि कुमावत	श्री भागचन्द कुमावत-कमला देवी	जयपुर
97.20	केशव कुमार	श्री जयप्रकाश-संतोष	सीकर
96.60	हितेश कुमावत	श्री अशोक कुमार कुमावत-ममता	जयपुर
95.60	योगेश कुमावत	श्री किशनलाल कुमावत-सोहनी देवी	कुचामन सीटी
95.60	सुरभि पटेल	श्री नरेन्द्र पटेल-रेनू पटेल	जोधपुर
94.60	प्रियंका कुमावत	श्री जगदीश कुमावत	
94.40	लज़्की कुमावत	श्री गणेश कुमावत-गुलाब देवी	रेनवाल जयपुर
94.20	रोहित कुमावत	श्री जगदीश कुमावत-श्याम कुमावत	अजमेर
94.20	पपीता कुमावत	श्री ओमप्रकाश कुमावत-संजू देवी	नागौर
94.00	उमा कुमावत	श्री ओमप्रकाश खोरानिया-गीता देवी	दूदू, जयपुर
93.40	योगिता कुमावत	श्री कमलेश चन्द कुमावत-गायत्री देवी	सीकर
93.40	नीशा कुमावत	सीताराम कुमावत-मंजू देवी	चौमूं, जयपुर
93.40	रोहित कुमावत	श्री सूरजमल कुमावत-संतोष देवी	दूदू, जयपुर
93.27	जयन्त कुमावत	श्री प्रमोद कुमावत, रेखा देवी	
92.80	दिशा कुमावत	श्री अनीता कुमावत, उदयपुर	
92.60	विकास कुमावत	श्री बाबूलाल कुमावत-गुलाब देवी	जयपुर
92.40	चारूल कुमावत	श्री बनवारी लाल-सावत्री देवी	दूदू, जयपुर
92.40	रोहित कुमावत	श्री शंकर लाल कुमावत-सुमीत्रा देवी	चौमूं, जयपुर
92.20	अर्पिता कुमावत	श्री अर्जुन लाल कुमावत-सुनीता	चौमूं, जयपुर
91.60	गर्वित कुमावत	श्री चन्द्रशेखर कुमावत-सुमन देवी	जयपुर
91.60	पायल कुमावत	श्री राजू कुमावत	
91.60	शीतल कुमावत	श्री रामनारायण कुमावत-नौरती देवी	जयपुर
90.80	विष्णु कुमावत	श्री सूरज करण कुमावत-रामप्यारी	जोबनेर
90.20	कंचन कुमावत	श्री रमेश कुमावत-जुगली देवी	सिरोही, सीकर
90.00	हिमान्शी कुमावत,	श्री मदनलाल कुमावत	रींगस
89.90	भूमिका पोरवाल	श्री महेश पोरवाल-रीमा देवी	राजोता झुंझुनूं
89.60	ज्योति कुमावत	श्री कमल कुमावत, सुगता कुमावत	सीकर
89.40	पंकज कुमावत	श्री मदनलाल-भौंरी देवी	जयपुर
89.00	रीतु कुमावत	श्री मनोज कुमार-मीना देवी कुमावत	जयपुर
88.80	अनिसा कुमावत	श्री बोदूराम-भंवरी देवी	सीकर
88.80	चेतना कुमावत	श्री मोतीराम कुमावत-फूली देवी	जयपुर
88.60	मेहुल कुमावत	श्री अशोक कुमावत	
88.40	शुभम कुमावत	श्री सोहनलाल कुमावत-संतोष देवी	कालाडेरा, जयपुर
87.60	कोमल कुमावत	श्री रूपनारायण कुमावत-मंजू देवी	आमेर, जयपुर
86.00	मोनिका कुमावत	श्री गणेशराम कुमावत-कमला देवी	जोबनेर, जयपुर
85.20	गौरी शंकर	श्री किशन कुमावत	लोसल, सीकर
78.8	सूर्यांश असलीवाल	श्री राजीव-प्रीति राज कुमावत	जयपुर

12वीं विज्ञान CBSE बोर्ड

93.00	प्रेरणा कुमावत	श्री दामोदर लाल मारोठिया	किशनगढ़

12वीं कॉमर्स राजस्थान बोर्ड

92.40	रोहित कुमावत	श्री दीपचन्द कुमावत-हन्सा देवी	फुलेरा, जयपुर
89.60	चारूल वर्मा	श्री राजेन्द्र वर्मा-श्वजयलक्ष्मी वर्मा	जयपुर
80.60	लविष्का कुमावत	श्री जगदीश कुमावत-धर्मलता कुमावत	जयपुर

10वीं CBSE बोर्ड

97.00	लव कुमावत		
96.00	खुशी कुमावत	पुत्री नरेश कुमावत-डॉ. हेमा कुमावत	
95.20	विधि कुमावत	श्री ताराचन्द-भावना कुमावत	उदयपुर
94.60	दीक्षांत कुमावत		
94.40	अंशीका कुमावत		
94.20	खुशवन्त कुमावत	श्री महेश कुमावत-कविता कुमावत	उदयपुर
94.20	विशेष पटैल	श्री संतोष पटैल-बबीता	खानवा, म.प्र.
92.80	कल्पित कुमावत	पुत्र श्री मुरारीलाल कुमावत-किरन	निवाई, टोंक
92.80	रियांशी कुमावत		
92.60	महिमा कुमावत	श्री श्याम कुमावत-नीलम कुमावत	जयपुर
92.60	पुल्कित	श्री प्रशान्त वर्मा-प्रियंका वर्मा	जयपुर
92.20	ललित कुमावत		सीकर
92.00	महावीर	श्री गोपाल एन जमूना	मैसूर
91.00	अर्पिता	श्री विपन कुमावत-बीना कुमावत	अजमेर
89.40	माही कुमावत	श्री प्रकाश कुमावत-किरन कुमावत	पालम, म.प्र.
86.40	कृतिका वर्मा	श्री योगेश वर्मा-प्रतिभा वर्मा	जयपुर
80.00	कोमल अजमेरा	श्री अजय अजमेरा	जयपुर
80.00	प्रीत दज़्बीवाल	श्री मोहन कुमावत-मनीषा कुमावत	जयपुर

नोट : परीक्षा में 80 प्रतिशत व अधिक प्राप्तांक वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों से निवेदन है कि वे अपने बच्चों के पासपोर्ट साइज फोटो जिसके पीछे प्राप्तांक प्रतिशत, नाम तथा कक्षा/विषय/बोर्ड का नाम लिखकर प्रेषित करें। उनके फोटो आगामी अंक में प्रकाशित किए जाएंगे।

प्रीत खोवाल फाइटर पायलेट बने

हैदराबाद एयरफोर्स एकेडमी में आयोजित समारोह में जयपुर के प्रीत खोवाल ग्रेजुएट होने पर पासिंग आउट परेड में सम्मिलित हुए। आप MPS जवाहरनगर जयपुर से पढ़े हैं एवं बचपन से ही डिफेन्स में जाने की आपकी इच्छा रही थी। इस परेड में इस बारपेरेन्ट्स सम्मिलित नहीं थे, इस कारण प्रीत खोवाल के माता-पिता ने जयपुर से ही बधाई दी है। प्रीत खोवाल के पित श्री ईश्वर सिंह खोवाल रियल एस्टेट के कारोबार में हैं तथा आपके स्व. दादाजी श्री सुआलाल जी भवन निर्माण के कार्य से जुड़े हुए थे।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से आपको बहुत-बहुत बधाई व शुभकामना।

श्रद्धावन्त

स्व. श्री धनपतराम खोरानिया सुपुत्र श्री दौलत राम जी, इंजीनियर

श्री धनपत राम खोरानिया का जन्म, दौलत निवास, म.नं. 3062, कल्याण जी का रास्ता, जयपुर-302001 में इंजीनियर बाबू दौलतराम जी खोरानिया के परिवार में हुआ। आप शिक्षा में बहुत ही बुद्धीमान रहे, बी.ए. पास करके सरकारी नौकरी में लग गये। सरकारी सेवा में रहते हुए आपने सन् 1966 में श्री कुमावत क्षत्रिय विकास संघ की स्थापना की थी। प्रथम अध्यक्ष श्री दुर्गालाल नंदीवाल और मंत्री स्वयं श्री खोरानिया बने। एक-दो वर्ष बाद डॉ. हरगोविन्द भोरोदिया अध्यक्ष बने। 3-4 वर्षों के अन्तराल में अध्यक्ष बदलते रहे पर मंत्री स्वयं ही बने रहे। सन् 2000-2001 में अध्यक्ष स्व. श्री नृसिंहलाल कुण्डलवाल बने आप उपाध्यक्ष बनाये गये। श्री त्रिलोकचन्द्र मण्डावरा तथा डॉ. देवीलाल हान्या मंत्री बने। सन् 2005-06 में श्री धनपतराज खोरानिया अध्यक्ष चुने गए। उपाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश कैक्टया तथा मंत्री श्री पूरण चन्द मामोड़िया चुने गये। कोषाध्यक्ष श्री आनन्दीलाल धूमूनिया, संगठन मंत्री श्री राजसिंह भदानिया, उपमंत्री श्रीमती उमा खरोल्या तथा सदस्य श्री चांद बिहारी डाल, गोपाल लाल अजमेरा, श्रीमती अंजू खोवाल चुनी गई। 11 जून से 17 जून, 2007 में बाल निवास जयपुर में खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित कर 17.6.2007 की सायं 4 बजे विजयी खिलाड़ियों को पारितोषण विवतरण समारोह आयोजित किया जिसमें मुख्य अतिथि श्री मोहनलाल मामोड़िया, ओ.के. पेंट, एम.आई. रोड़ जयपुर थे।

तात्पर्य यह है कि आपने अपने दम पर सन् 1966 से 2007 तक 31 वर्ष तक एक सामाजिक संगठन चलाया। कई वर्षों तक परिचय पत्रिकायें प्रकाशित कर आय-व्यय एवं गतिविधियों की जानकारी देते रहते थे। आप समाज के हर कार्यक्रमों में देखे जाते थे। माईक पर अपनी पैनी आवाज में सम्बोधनअवश्य करते थे। आपकी टीम में समाज के कई नवयुवक जुड़े हुए थे परन्तु आपके स्वर्गवास के बाद किसी ने भी संस्था को जीवित नहीं रखा, यह दुखद था।

इसी प्रकार आपके पिताजी भी बहुत ही सरल स्वभाव के समाज सेवी थे। अपनी जवानी के समय आपके पड़ोसी स्व. श्री जगदीश नारायण नरानिया जी के साथ समाज सेवा में जुट गये। श्री नवरत्न खरनारियां में भी अच्छे मित्र रहे इसी कारण समाज की पत्रिका से सन् 1971 से जुड़ गये और सन् 1979 में प्रकाशक एवं मुद्रक रहे, वर्षो तक उपाध्यक्ष चुने गये। आप पीडब्ल्यूडी में इंजीनियर के पद पर सेवानिृत्त हुए। आपकी देखरेख में जयपुर शहर के बरामदों का निर्माण हुआ। आप सदा काली टोपी पहने रहते थे। आपने अन्तिम समय तक समाज की सेवा की। आपकी प्रेरणा से आपके पुत्र श्री धनपतराम भी बचपन से समाज सेवा में जुड़ गया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आप दोनों को शत् शत् नमन करता है।

- हेमचन्द खड़गटा

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
2. कुमावत कॉलोनी झोटवाड़ा, श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
3. जयपुर शहर-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
4. सांगानेर-श्री भीमसिंह सिरोहिया मालपुरा गेट, सांगानेर, मो. 9414359364
5. मालवीयनगर-श्रीचन्द्रप्रकाश अजमेरा मो. 9928088815
7. लालकोठी बापूनगर-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
8. 22 गोदाम-चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
9. आदर्श नगर, तिलक नगर-शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
10. दहमी कलां, बगरू-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
11. करधनी-कालवाड़ रोड-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267

ब्यावर-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493

दिल्ली-श्रीराधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580

फुलेरा-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास

नोट : अन्य समाज बन्धु स्वेच्छा से यह सेवा देना चाहें तो कार्यालय से सम्पर्क करें।

मृत्युभोज जैसी कुप्रथा पर कानूनी रोक

पंच, सरपंच व पटवारी को दिया दायित्व, पालना नहीं हुई तो मिलेगा दण्ड

समाज में परम्परागत रूप से चली आ रही मृत्युभोज जैसी कुप्रथा को बंद करने के लिए जहां कई समाज व सामाजिक संगठन आगे आ रहे हैं वहीं राज्य सरकार ने भी इस कुप्रथा को बंद करने की ठान ली है। इस संदर्भ में राजस्थान के पुलिस महानिदेशक (अपराध) जयपुर द्वारा राज्य के समस्त पुलिस उपायुक्त तथा पुलिस अधीक्षकों को एक आदेश जारी कर निर्देशित किया है कि राजस्थान मृत्युभोज निवारण अधिनियम, 1960 की पालना करायी जावें तथा यह भी निर्देशित किया कि मृत्युभोज होने की सूचना न्यायालय को दी जाए। इसकी पालना को सुनिश्चित किये जाने के लिए पंच, सरपंच व पटवारी को दायित्व दिया गया है। प्रावधान का उल्लंघन करने पर दण्ड का प्रावधान किया गया है। जारी पत्र में पुलिस महानिदेशक ने पुलिस अधिकारियों को उक्त अधिनियम की पालना सुनिश्चित कराने के लिए निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि परम्परागत रूप से चली आ रही मृत्युभोज किये जाने की कुप्रथा ने कई परिवारों की आर्थिक दृष्टि से कमर तोड़ दी है। इस कुप्रथा को निभाते हुए कई गरीब लोगों के मकान, जर-जेवर, जमीन, सभी कुछ बिक जाने एवं कंगाल होने तक कि नोबत आ जाती है। इस कुप्रथा को शहरों में अधिकांश लोगों ने बंद कर दिया है मगर गांवों में अब भी अधिकांश समाजों में इस कुप्रथा का प्रचलन जारी है। मृत्योपरांत भोजन कराना हमारे लिए धर्म ओर संस्कृति का अंग है। शास्त्र अपने सामर्थ्य के अनुसार ब्राह्मण एवं बहिन-बेटियों को भगवान का प्रसाद बना कर भोजन की सलाह देता है, उधार लेकर प्रदर्शन की नहीं। हिन्दू समाज में जब किसी परिवार में मौत हो जाती है तो सभी परिजन बारह दिन तक शोक मानते हैं। तत्पश्चात तेरहवीं का संस्कार होता है इस दिन के संस्कार के अंतर्गत पहले 12-13 ब्राह्मणों को भोजन कराया जाता है जिसे स्थानीय भाषा में जीमना या संपीडन भी कहते हैं। उसके बाद पंडितों द्वारा बताई गयी वस्तुएं मृतक की आत्मा की शांति के लिए ब्राह्मणों को दान में दी जाती हैं। उसके पश्चात् सभी आगंतुक रिश्तेदारों, मित्रों एवं मोहल्ले के सभी अड़ोसी-पड़ोसियों को मृत्यु भोज के रूप में दावत दी जाती है। कई जगह हमनें देखा है कि मृत्यु भोज के नाम पर पूरा गांव का गांव व आसपास का पूरा क्षेत्र प्रसादी के लिए बुलाया जाता है, इसके लिए 2-3 दिन पहले से मिठाईयां बनवाना शुरू कर देते हैं। यह हैसियत दिखाने का अवसर बन जाता है। सभी आगंतुकों से प्रसाद ग्रहण करने के लिए आग्रह किया जाता है, जैसे कोई खुशी का उत्सव हो। विडंबना यह है ये सभी संस्कार कार्यक्रम घर के मुखिया के लिए कराना आवश्यक होता है, वर्ना मान्यता के अनुसार मृतक की आत्मा को शांति नहीं मिलती, चाहे आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिवार की शांति वर्षों के लिए भंग हो जाय (चाहे उसे कर्ज लेकर संस्कार आयोजित करना पड़े)। यदि परिवार संपन्न है और घर के लोग ऐसे आडम्बर में विश्वास नहीं रखते तो उन्हें मृतक के प्रति संवेदनहीन और कंजूस जैसे शब्द बोलकर अपमानित किया जाता है। क्या यह तर्क संगत है, परिवार के सदस्य की मौत का धर्मान्धता के कारण जश्न मनाया जाय ? क्या यह उचित है आर्थिक रूप से सक्षम न होते हुए भी अपने परिजनों का भविष्य दांव पर लगा कर मृत्यु भोज किया जाये ? मृत्युभोज का मुद्दा पिछले दिनों से सोशल मीडिया व प्रिन्ट मीडिया पर छाया हुआ है। सोशल मीडिया पर लम्बी बहस चल रही है, सबके अपने-अपने तर्क हैं। कई विद्वानों का मानना है कि यह एक सामाजिक बुराई है, इसे बंद किया जाना चाहिए। हालातों पर नजर डालें तो आज वाकई में यह बड़ी बुराई बन चुका है। अपनों को खोने का दुःख और ऊपर से तेहरवीं का भारी भरकम खर्च ! इस कुरीति के कारण कई दुखी परिवार कर्ज के बोझ में तक दब जाते हैं, जो सभी के मन को द्रवित करता है। लेकिन जो हो रहा है इसके लिए हम खुद ही जिम्मेदार हैं।

मृत्यु भोज के पीछे तो हमारे मनीषियों की सोच कुछ और ही रही है, जो मनोवैज्ञानिक है। वास्तव में यह एक अनूठी व्यवस्था है, जिसे दिखावे के चक्कर में हमने ही विकृत कर डाला है। वक्त के साथ इसमें जो विकृतियां आई हैं, बस इन्हें दूर करके इसे मूल स्वरूप में पुनः स्थापित किया जा सकता है। भागवत गीता में भी भगवान श्रीकृष्ण ने मृत्यु भोज को अनुचित माना है, श्रीकृष्ण ने कहा कि जब भोजन कराने वाले का व भोजन करने वाले का मन प्रसन्न हो तभी भोजन करना चाहिए। भला ऐसे दुखद अवसर पर किसे भोजन कराने में प्रसन्नता होगी।

राजस्थान में मृत्यु भोज निषेध होने से अब कोई व्यक्ति मृत्यु भोज करेगा तो उसे जेल जाना होगा। यदि कोई व्यक्ति मृत्यु भोज के लिए पैसे उधार देगा उसे भी जेल जाने का प्रावधान किया गया है।

मृत्यु भोज कानून के प्रावधान निम्न प्रकार हैं:-

मृत्यु-भोज निषेध कानून :- मृत्यु-भोज जिसमें, गंगा-प्रसादी इत्यादि शामिल है अब 'राजस्थान मृत्यु-भोज निषेध अधिनियम 1960' के तहत दण्डनीय अपराध हो गया है ।

मृत्यु-भोज की कानून में परिभाषा :- राजस्थान मृत्यु-भोज निषेध अधिनियम की धारा 2 में लिखा है कि किसी परिजन की मृत्यु होने पर, किसी भी समय आयोजित किये जाने वाला भोज, नुक्ता, मौसर, चहलल्म एवं गंगा-प्रसादी मृत्युभोज कहलाता

है कोई भी व्यक्ति अपने परिजनों या समाज या पण्डों, पुजारियों के लिए धार्मिक संस्कार या परम्परा के नाम पर मृत्यु-भोज नही करेगा।

मृत्यु-भोज करने व उसमें शामिल होना अपराध है :- धारा 3 में लिखा है कि कोई भी व्यक्ति मृत्यु-भोज न तो आयोजित करेगा न जीमण करेगा न जीमण में शामिल होगा न भाग लेगा ।

मृत्यु-भोज करने व कराने वाले की सजा व दण्ड :- धारा 4 में लिखा है कि यदि कोई व्यक्ति धारा 3 में लिखित मृत्यु-भोज का अपराध करेगा या मृत्यु-भोज करेन के लिए उकसायेगा, सहायता करेगा, प्रेरित करेगा उसको एक वर्ष की जेल की सजा या एक हजार रूपये का जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जायेगा ।

मृत्यु-भोज पर कोर्ट से स्टे लिया जा सकता है :- धारा 5 के अनुसार यदि किसी व्यक्ति या पंच, सरपंच, पटवारी, लम्बरदार, ग्राम सेवक को मृत्यु-भोज आयोजन की सूचना एवं ज्ञान हो तो वह प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट में प्रार्थना-पत्र देकर स्टे लिया जा सकता है पुलिस को सूचना दे सकता है । पुलिस भी कोर्ट से स्टे ले सकती है एवं नुक्ते को रूकवा सकती है । सामान को जब्त कर सकती है ।

कोर्ट स्टे का पालन न करने पर सजा :- धारा 6 में लिखा है कि यदि कोई व्यक्ति कोर्ट से स्टे के बावजूद मृत्यु-भोज करता है तो उसको एक वर्ष जेल की सजा एवं एक हजार रूपये के जुर्माने या दोनों से दण्डित किया जायेगा ।

सूचना न देने वाले पंच-सरपंच-पटवारी को भी सजा :- धारा 7 में लिखा है कि यदि मृत्यु-भोज आयोजन की सूचना कोर्ट के स्टे के बावजूद मृत्यु-भोज आयोजन होने की सूचना पंच, सरपंच, पटवारी, ग्रामसेवक कोर्ट या पुलिस को नहीं देते हैं एवं जान बूझकर ड्यूटी में लापरवाही करते हैं तो ऐसे पंच-सरपंच, पटवारी, ग्रामसेवक को तीन माह की जेल की सजा या जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जायेगा ।

मृत्यु-भोज में धन या सामान देने वाला रकम वसूलने का अधिकार नहीं है :- धारा 8 में लिखा है कि यदि कोई व्यक्ति बणिया, महाजन मृत्यु-भोज हेतु धन या सामान उधार देता है तो उधार देने वाला व्यक्ति, बणिया, महाजन मृत्यु-भोज करने वाले से अपनी रकम या सामान की कीमत वसूलने का अधिकारी नहीं होगा । वह कोर्ट में रकम वसूलने का दावा नहीं कर सकेगा । क्योंकि रकम उधार देने वाला या सामान देने वाला स्वयं धारा 4 के तहत अपराधी हो जाता है ।

अत: यदि कोई व्यक्ति अंधविश्वास में फंसकर या उकसान से मृत्यु-भोज कर चुका है और उसने किसी से धन या सामान उधार लिया है तो उसको वापिस चुकाने की जरूरत नहीं है । अत: सभी बुद्धिजीवियों का विधिक कर्त्तव्य है कि मृत्यु-भोज को रोकने का प्रयास करे, नही मानने पर कोर्ट से स्टे लेवे एवं मृत्यु-भोज करने व कराने वालो को दण्डित करावें ।

इस देश का जन सामान्य, भोले-भाले, अनपढ़, रूढ़ीवादी, धर्मभीरू, श्रमजीवी वर्ग के लोग स्वर्ग/मोक्ष के अंधविश्वासी कर्मकाण्डों को संस्कार मान कर जीवन भर ढोते रहते है । ये संस्कार, कर्मकाण्ड व कुरीति जो छोडना चाहे तो भी नहीं छूटती है, बल्कि हमारे समाज को गरीबी, कंगाली व बर्बादी के गर्त में डूबों रही हैं ।

अत: अब जागरूक होने का समय है, चाहे कानून के डर से ही, हमें इसे त्यागना ही होगा। जो खर्च अंधविश्वासों व कुरीतियों में हो रहा है उसे बचा कर बच्चों का भविष्य बनाए, यही समय की मांग है। यदि किसी के पास अतिरिक्त धन है तो वह समुदाय के विकास के किसी भी अच्छे कार्य में लगाये।

संरक्षक : प्रियंका कुमावत पृष्ठ 4 से आगे....

प्रियंका BA, B.Ed. LLB अंतिम वर्ष की छात्रा हैं। इन दिनों सोशल मार्केटिंग इंटरप्रेन्योर के अलावा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली स्टेट जॉइंट मीडिया इंचार्ज भी है ।

आपका अपना यूट्यूब चैनल प्रियंका लिम्का कुमावत के नाम से है आप वॉइस ओवर भी करती है

पूर्व उपराष्ट्रपति स्व.भैरों सिंह जी शेखावत बाबोसा की दसवीं पुन्यतिथी पर आपने उनका वीडियो अपने यूट्यूब चेन्नल पर अपलोड किया।

आपने पद्मश्री से सम्मानित आदरणीय सुंडाराम जी कुमावत का साक्षात्कार लिया । और इस तरह से कई लोगो के साक्षात्कार का वीडियो बनाकर उनकी प्रतिभा को उजागर किया।

आपने होटल थीम जयपुर में आदरणीय श्री सतीश जी खाटूवाल मोटिवेशनल गुरु के द्वारा आयोजित सेमिनार कुमावत युवा राजस्थान बिजनेस समिट 2018 में एंकरिंग के साथ-साथ अपना प्रोजेक्ट लीड किया। और राजस्थान बिजनेस समिट 2018 के टीम मेम्बर के रूप में भाग लिया।

शादी के तुरन्त बाद पत्रिका के संरक्षक सदस्य बनने पर श्री पुष्पेन्द्र कुमावत को बहुत-बहुत बधाई तथा श्रीमती प्रियंका के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

जिद छोड़ो पर रिश्ता मत छोड़ो। क्योंकि रिश्ते है हमारी पहचान है।

इस कलियुग का सितम देखिए , औलाद कहती है कि बूढ़े मां बाप मुफ्त की रोटियां खा रहे है। क्या वे भूल गए कि जन्म से जवानी तक मां बाप ने ही पालपोष कर उसे लायक बनाया है।

ट्रस्टी

श्री जयकिशन सोकिल
नए व्यवस्थापक

नए व्यवस्थापक

श्री राजेश मरोडिया
नए व्यवस्थापक

श्री चेतन बालोदिया

श्री राजेश धुंधारिया

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु

श्री बी.एल. नागा जनकल्याण चेरीटेबल ट्रस्ट, जयपुर

सुरेन्द्र नागा अध्यक्ष, 9414994006
संदीप नागा मंत्री, 9829647101
चन्द्रजीत कुमावत कोषाध्यक्ष, 9530400624

डी -114-ए, सिवाड़ एरिया, बापू नगर, जयपुर-302015

ट्रस्टी

श्री जयकिशन सोकिल
दानदाता, समाजसेवी

सह-सम्पादक

श्रीमती भारती वर्मा
(तोंदवाल)

पद स्वीकार करने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु

समस्त कार्यकारिणी एवं सदस्या
कुमावत इंडिया महिला क्लब, जयपुर

हार्दिक बधाई

हमारे प्रिय 56 वर्षीय इंजीनियर

डॉ. संदीप नागा

(B. Sc., B.E., MBA, PGDEC, PGDEMA, PGDPPIM)

के अभी **पी.एचडी.** करने पर

आशीर्वाद, बधाई एवं शुभकामना

आशीर्वाददाता : सुरेन्द्र कुमार नागा-विजय कुमारी (माता-पिता)

शुभेच्छु

प्रतिभा नागा (पत्नी), सीमा-मुकेश वर्मा, मुम्बई, कविता-पंकज वर्मा, मुम्बई (बहन-बहनोई),
कामाक्षी व रूपल (पुत्रियां), सोहिल सिंह, दर्शिता, तनिष्क (भान्जे-भान्जी) एवं समस्त नागा परिवार

डी -114-ए, सिवाड़ एरिया, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर-302015
फोन : 0141-2709925, मो.: 9414994006, 9829647101

हमारी लाड़ली

यतिका कुमावत

CBSE 12वीं कला में
93 प्रतिशत अंक प्राप्त
करने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु

दादी-दादा	:	स्व. श्रीमती शांति देवी-स्व. कन्हैयालाल खड़गटा
मम्मी-पापा	:	इन्द्रा-विजय खड़गटा
ताईजी-ताऊजी	:	मंजू-मोहनप्रकाश, सरोज-कमलेश, कीर्ति-अजय खड़गटा
भाई	:	शशांक, हर्ष, हर्षवर्धन, समीर, विनित
बहिन	:	डॉ. रुचिका

प्रतिष्ठान : कुमावत डायमण्ड टूल्स
2806, खड़गटा भवन, गणेश मंदिर, मोती डूंगरी, जयपुर
मो.: 9414607076, 8209605189

समाजसेवी, दानदाता

श्री जयकिशन सोकिल

(शुभ लक्ष्मी क्रेन वाले, चौमूं) को
कुमावत प्रगति ट्रस्ट में ट्रस्टी बनने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

बधाईदाता

द्वारका प्रसाद 9887521973, राजेन्द्र प्रसाद,
ओमप्रकाश, महेन्द्र कोलूगरिया
एवं समस्त कोलूगरिया परिवार

निवास : कुमावतों का मोहल्ला(बास), चौमूं

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हमारी लाड़ली

कु. वारुल वर्मा (कुमावत)

सुपुत्री श्री राजेन्द्र वर्मा एवं विजय लक्ष्मी वर्मा
को RBSE 12वीं बोर्ड में 90
प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर

शुभाशीष, हार्दिक बधाई
एवं
उत्तरोत्तर प्रगति की मंगल कामनाएँ

शुभेच्छु

माता-पिता	:	राजेन्द्र वर्मा-विजय लक्ष्मी वर्मा	
चाचा-चाची	:	दिनेश कुमावत-बबली कुमावत	
नानी	:	विमला देवी कुमावत	
मामा	:	मनोज कुमावत	मौसी : उमा
भाई	:	एकांश, चीनू	बहन : हंसवनी

Global Earth Engineering Services (P) Ltd.
201, संजय टावर, लक्ष्मी मन्दिर सिनेमा के पास,
टोंक रोड, जयपुर मो. 9784606761, 9828332942

कु. आस्था खोरानिया

12वीं कला परीक्षा में 72 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छू

दादी-दादा : सावित्री-रामप्रकाश खोरानिया 9829702857
मम्मी-पापा : खुशबू-दीपक खोरानिया 9983344334
चाची-चाचा : सुषमा-बेनी प्रकाश खोरानिया, छोटी दादी-दादाजी : गायत्री-ताराशंकर दादरवाल, बुआ-फुफाजी : अंजू-मुकेश बालोदिया, बहिनें : कनक (मुनका), मिष्ठी बालोदिया,
भाई : एकलव्य, मनस्व खोरानिया

33, बाल विहार कॉलोनी, कालवाड़ रोड झोटवाड़ा
सौजन्य : मुकेश मेडिकल्स, लालकोठी टोंक रोड जयपुर

श्री अनंत कुमार कुमावत (कारगवाल)

की पदोन्नती जयपुर विकास प्राधिकरण
के निदेशक, विधि (Director, Law)
के पद पर होने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छू

रूपसिंह कारगवाल, उमेश कारगवाल

रूपन आर्ट्स

ई-544, लालकोठी स्कीम, जयपुर 302015
मो. : 9314502407, 9314502964

श्रीमान जयकिशन सोकिल

'कुमावत प्रगति ट्रस्ट' के ट्रस्टी बनने पर

हार्दिक स्वागत

आपके द्वारा ट्रस्टी पद स्वीकार करने पर कुमावत प्रगति ट्रस्ट एवं कुमावत इंडिया पत्रिका को नई बुलन्दी पर ले जाने में सहयोग मिलेगा ऐसी आशा है।

हेमचन्द खड़गटा
अध्यक्ष एवं
संस्थापक ट्रस्टी

रामप्रकाश मारोठिया
उपाध्यक्ष एवं ट्रस्टी
एडवोकेट, राज. उच्च न्यायालय

विनोद बालोदिया
सचिव एवं ट्रस्टी
राज ब्लॉक्स

लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल
कोषाध्यक्ष एवं ट्रस्टी
से.नि. वरि. शासन उप सचिव

सी.एम. कुमावत
संस्थापक ट्रस्टी
सीएमटी आर्टस इंडिया प्रा.लि.

रमेश चन्द कुमावत
संस्थापक ट्रस्टी
से.नि. उपायुक्त राज्य कर

मनोज सिरस्वा
ट्रस्टी
मारुति जैम्स

रामप्रकाश मारवाल
ट्रस्टी व सम्पादक
आशीष कन्सल्टेंट

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हमारी लाड़ली

कु. खुशी कुमावत (मारवाल)

सुपुत्री डॉ. हेमा (डेंटल सर्जन) एवं नरेश कुमावत (एसडीई BSNL)

को CBSE 10वीं बोर्ड में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर

शुभाशीष,
हार्दिक बधाई
एवं
उत्तरोत्तर प्रगति की
मंगल कामनाएँ

शुभेच्छु

दादा-दादाजी : रुपचंद कुमावत-पार्वती देवी
नाना-नानी जी : डॉ. आर.एल. वर्मा-मनोहर देवी
बड़े पापा-बड़ी मम्मी : महेश चंद कुमावत-शालिनी
ताऊ-ताई जी : गीतेश कुमावत-हर्षा

भाई : हिरेन, कनिष्क, तनिष्क , बहिन : निशी, कृषा एवं समस्त मारवाल परिवार

कुमावत डेंटल हॉस्पिटल-9414400400
368, सूर्यनगर, गोपालपुरा, बाईपास, जयपुर(राज.)

कु. हर्षिता कुमावत

पुत्री सीमा-शंकर भौरोदिया
सुपौत्री स्व. श्रीमती विनीता-स्व. श्री रामदयाल फोरमैन
एस.एस. इलैक्ट्रोनिक्स, पुलिस थाने के पास, झोटवाड़ा
के 12वीं CBSE परीक्षा में 86 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छू

बुआ-फूफा : पुष्पा-हेमचन्द खड़गटा, सावित्री-रामप्रकाश खोरानिया, शकुन्तला-श्याम सुन्दर राजोरिया, सुशीला-सुरेन्द्र कुलचानिया, उषा-कुन्दनमल कण्डेरीवाल, निशा-विजय जालवाल इन्दौर

हमारी प्रिय

सौ. वेनिका कुमावत

सी.बी.एस.ई. 12वीं कक्षा में **91.2** प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर सेंट एन्सलम्स नॉर्थ सिटी स्कूल, निवारू रोड, झोटवाड़ा, जयपुर को

हार्दिक आशीर्वाद एवं बधाई

आशीर्वाद एवं बधाईदाता

दादी-दादा : गुलाब देवी-स्व. श्री रामजी लाल राजोरिया, माता-पिता : मीना-अशोक कुमार कुमावत (निजी सहायक, वाणिज्यिक कर विभाग), ताई-ताऊ : सीता-किशोर कुमार कुमावत, गीता-कैलाश चन्द कुमावत, चाची-चाचा: बीना (लोकायुक्त सचिवालय)-रमेश चन्द कुमावत (निजी सहायक, शासन सचिवालय), बुआ-फुफाजी : विमला-बाबूलाल कुमावत (अतिरिक्त निजी सचिव, जल संसाधन विभाग)

वर्तमान निवास : 49, 'गुलाब विला', कमला नगर, कालवाड़ रोड़, गोविन्दपुरा, जयपुर-302012
स्थायी निवास : गुलाब निवास, ढाणी कुमावतान्, खातीपुरों का बाढ़, डिग्गी रोड़, सांगानेर, जयपुर-302029
मो. : 98283 04719, फोन: 0141-2405719

हमारी लाड़ली

परिधि अजमेरा

द्वारा CBSE 10वीं बोर्ड में 80 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर

शुभाशीष,
हार्दिक बधाई एवं उत्तरोत्तर प्रगति के लिए मंगल कामनाएँ

शुभेच्छु

दादा जी-दादी जी : सोहन लाल अजमेरा-स्व. श्रीमती आशा देवी
पिता-माता : अजय -पूनम, भाई : कार्तिकेयन
भुआ-फूफाजी : ममता-सुरेश जी, दीपा-ब्रजेश जी, मीनाक्षी-राजकुमार जी
नाना-नानी : भगवान लाल-यशोदा
मामा-मामी : विवेक-लीना

समस्त अजमेरा(जयपुर) एवं सडूनदिया (नाथद्वारा) परिवार

प्रतिष्ठान

गणपति स्टोन इंडस्ट्रीज (डिजाइनर नेचुरल स्टोन स्टूडियो)
जयसिंहपुरा, जयपुर मो. : 9828577721

सांस्कृतिक : झरोखा

बाबा रामदेवजी

बाबा रामदेवजी का अवतरण विक्रम स. 1409 में हुआ। चैत्र सुदी पञ्चमी सोमवार को इनका जन्म हुआ था, किन्तु लोक मानस में भाद्रपद सुदी द्वितीया **'बाबा री बीज'** के नाम से ख्यात है। बाबा रामदेवजी मध्यकाल की अराजकता में मानवीय मूल्यों के लिए संघर्ष करने वाले अद्भुत करुणा पुरुष हैं। उनके पूर्वजों का दिल्ली पर शासन था। तंवर अनंगपाल दिल्ली के अंतिम तंवर (तंवर, तुंवर अथवा तोमर एक ही शब्द के विभिन्न रूप हैं) सम्राट थे। वे दिल्ली छोड़कर 'नराणा' गाँव में आकर रहने लगे जो वर्तमान समय में जयपुर जिले में स्थित है। इसी के आसपास का क्षेत्र आजकल 'तंवरावटी' कहलाता है।

दिल्ली के शासक निरंतर तंवरों पर हमले करते रहते थे, क्योंकि वे जानते थे कि दिल्ली के असली हकदार तंवर हैं। इसलिए तंवर रणसी अथवा रिणसी के पुत्र अजैसी (अजमाल) को वंश बचाने की समझदारी के तहत मारवाड़ की तरफ भेज दिया। वे वर्तमान बाड़मेर जिले की शिव तहसील के 'उँडू-काशमीर' गाँव के पश्चिम में आकर रहने लगे। अजैसी ने जिस स्थान पर गाड़ियां छोड़ी थी वह स्थान आज भी 'गडोथळ' (गाड़ियों का स्थान) नाम से जाना जाता है। तंवरों के दिल्ली छूटने और ग्वालियर तथा पोकरण जाने के उल्लेख **'रामदेवजी के बधावे'** में मिलता है जो जो हरजी भाटी के नाम से प्रचलित है -

'दिल्ली तखत सूं उतर ग्वालियर, पोड़ी पोकरण थाई।
घर अजमल जी रै जामो पायो, गड़ पूगळ परणाई।।'

उस कालखंड में चारों ओर अराजकता थी। लोग दल बनाकर लूटपाट करते थे, उनमें एक कुंडल का क्षत्रप बुध भाटी(राव मंझमराव के पुत्र बुध के वंशज-यह मंझमराव राव तणु का दादा था।) 'पम्मौ' (पेमसी) था, जो 'पम्मौ धोरंधार' नाम से ख्यात था। लोक आख्यानों के अनुसार 'पम्मौ धोरंधार' एक रात अजैसी का डेरा लूटने की नीयत से पहुंचा किन्तु उनके वैभवशाली डेरे का रूप देख कर डर गया। उसने अपनी बेटी 'मैणादे' की शादी अजैसी के साथ कर दी। अजैसी को आमजन अजमालजी कहकर पुकारने लगे।

अपने पिता रणसी की तरह ही अजमालजी धार्मिक व्यक्ति थे और हर बरस द्वारिकाधीश के दर्शन करने जाते थे। सब कुछ ठीक था, किन्तु उनके संतान नहीं थी। द्वारिकाधीश की कृपा से उनके दो बेटे हुए। बड़े वीरमदे और छोटे रामदे। यही रामदे लोक विख्यात 'बाबा रामदेव' नाम से जाने जाते हैं। लोग उन्हें अवतार मानकर पूजते हैं। उन्हें 'निकळंक देव' और निकळंक नेजाधारी' 'कहकर भी पुकारते हैं। उन्होंने अपने जीवन में छुआछूत का विरोध किया। उनकी भक्त डाली बाई मेघवाल थी। उन्होंने कुष्ठरोगियों की सेवा उस युग में की, जिसे सदियों बाद गांधीजी ने अपनाया। वे धार्मिक-सौहार्द्र के भी प्रतीक हैं—

'अल्ला आदम अलख तूं, राम रहीम करीम।
गोसांई गोरक्ख तूं, नाम तेरा तसलीम।।'

मक्का से आये पांच पीरों और बाबा रामदेवजी के मिलन और सत्संग-संवाद की कथा सुप्रसिद्ध है। उन पीरों ने ही बाबा को 'पीरों का पीर' कहकर उपमित किया है। पीरों ने बाबा के व्यक्तित से प्रभावित होकर पांच पीपलियाँ लगाईं थी वह स्थान आज भी 'पञ्च पीपली' नाम से जाना जाता है।

तत्कालीन सामंती समाज से उनकी कभी नहीं बनी। वे बाबा के छुआछूत विरोधी गतिविधियों से बौखलाए हुए थे। उनकी शादी के समय उनके बहनोई पूगल के सामंत ने उनकी बहन सुगनादे को पीहर नहीं भेजा। और बहन को लेने गए राईका रतना को कैद कर लिया। तब बाबा पूगल गए और बहनोई के बगीचे में रुक कर सत्संग करने लगे। पूंगल के लोग उनके सद्व्यक्तित्व से प्रभावित हुए। उन्होंने उनके बहनोई को समझाया और उनकी बहन को शादी में भेजने के लिए बाध्य किया। इस तरह अपने आचरण से ठाकुर व पूंगलवासियों को प्रभावित कर बहन को ले आए। किंवदंतियों में पूंगल के ठाकुर द्वारा गोले बरसाना और बाबा द्वारा उन्हें ध्वजा के फटकारे से वापिस पूगल पर डालने और ठाकुर द्वारा घबराकर समझोते के उल्लेख आते हैं। वस्तुत: यह भी रूपक है जिसमें पूंगल के लोग ही वे गोळे हैं, जो बाबा से मिलने के बाद में पूगल के ठाकुर को समझाने जाते हैं। इस तरह पूगल गोळे के गोळे पूंगल पर ही बरसते हैं।

पोकरण क्षेत्र में भूतड़ा सेठ भैरवदास ने आतंक मचा रखा था। लोगों की जमीन-जायदाद हड़पने और उनके शोषणकारी रूप के कारण आमजन उसे भैरिया राक्षस कहते थे। लोग उसके आतंक से बचने के लिए पोकरण छोड़कर दूर दूर जा बसे। जमीन जायदाद उसने हड़प ली थी, फिर वहां रहकर करते भी क्या? बाबा ने गुरु बालीनाथ के आश्रम में उसे जा दबोचा, गुरूजी के धूंणै में उसकी सारी बहियाँ जलाकर राख कर दी और उसे मारवाड़ से सिंध की तरफ निष्कासित कर दिया। उसे चेतावनी दी कि वापिस पोकरण की तरफ कदम किया तो उसकी मृत्यु निश्चित है। निकळंक नेजाधारी बाबा रामदेव जी ने इस तरह उस राक्षस (शोषक) का वध किया।

बाबा ने रावल मल्लीनाथ को कहकर पोकरण बसाई, जो कि भूतड़ा सेठ भैरवदास के आतंक से उजड़ चुकी थी। उनके भाई वीरमदे जी ने बाबा से बिना पूछे, उनकी अनुपस्थिति में अपनी लड़की की शादी रावल मल्लीनाथ के पोते (जगमाल के बेटे) हमीर से कर दी। बाबा को यह सम्बन्ध उचित नहीं लगा। उन्होंने पोकरण भतीजी को दहेज में देकर खुद ने पोकरण पूर्वोत्तर में जा बसे। उन्होंने अपनी बस्ती के साथ जहाँ

'डेरा' किया, वह जगह 'रामडेरा' कहलाई। यही रामडेरा कालांतर में रामदेवरा कहलाने लगा। इस स्थान का एक नाम 'रूणीचा' भी मिलता है। थार के रेगिस्तान में पानी की कमी जानते हुए उन्होंने एक तालाब खुदवाया जिसे आज 'रामसरोवर' कहा जाता है। बालू वाला स्थान होने के कारण इसमें पानी कम रुकता है, जिसे भी किंवदंतियों में जाम्भोजी (महान संत जिन्होंने विश्नोई पंथ चलाया) का शाप कहा जाता है। जबकि जाम्भो जी बाबा से एक शताब्दी बाद में हुए हैं।

बाबा रामदेवजी ने अपने गाँव के उत्थान के लिए 'रूणीचा' के सेठ को दूर-दिसावर जाकर व्यावसायिक तरीका समझाया। इस तरह सेठ दिसावर जाकर दौलत कमा कर लाया और गाँव को विकसित किया। **'ग्रामोत्थान' की बाबा की यह दृष्टि प्रगतिशील थी।** कवियों ने भी इस को परखा और कहा है ङ्क

'रूणीचै रा सेठ कहीजो मिर्चां फिर फिर बेचौ।
दूरां रे देसां में क्यों नहीं जावो जीयो ?

इस तरह बाबा ने बनिये की डूबती हुई जहाज को तैराया। कालान्तर में इस मुहावरे में लोगों ने चमत्कृति भर दी और कहने लगे बाबा ने 'बाणिये री डूबती जहाज तैराई'। ऐसी ही अनेक किवदंतियाँ जुड़ती चली गई। चमत्कारों को लोक में परचा कहते हैं। ऐसे अनेक परचे लोक में प्रचलित है।

बाबा का विवाह उमरकोट रै सोढा दलैसिंह की पुत्री नेतलदे के साथ हुआ। उनके बड़े पुत्र सादा अथवा सार्दूल ने ' 'सादाँ' नामक गाँव बसाया, जहां उनकी संतति आज भी निवास कर रही है। देवराज की संतान रामदेवरा में निवास कर रही है। उनके भाई वीरमदे ने वीरमदेवरा बसाया, जो रामदेवरा के पास ही स्थित है।

बाबा ने अपने काका 'धनरिख' अथवा धनरूप के साथ भी सत्संगति की थी। वे नराणै में उनके वार्धक्य काल में उनके साथ रहे थे। उल्लेखनीय है कि महाराणा कुम्भा भी इनसे प्रभावित थे और उन्होंने 'निकळंक देव मँदिर' का निर्माण करवाया था। बाबा रामदेव जी को 'पिछम धरा रा पातसाह', 'पिछम धणी' इत्यादि कई नामों से पुकारा जाता है। उनके भक्तों में रावल मल्लीनाथ, उनकी राणी रूपांदे, धारू मेघवाल, जैसल, तोरल, डालीबाई के नाम उल्लेखनीय है। कालान्तर में भाटी हरजी, महाराजा मानसिंह, लिखमोजी माली, विजोजी सांणी, हीरानंद माली, देवसी माली खेमो आदि के नाम आते हैं ,जिनमें हरजी भाटी सबसे प्रमुख है। उनकी उदार वाणी का रूप देखें—

सुख संपत सोरापण राखौ, भव दुःख दूर भगाणी।
हरजी अरज करै धणियां नै, किरता पर कुरबाणी।'

उनके घोड़े का नाम 'लीला' था। राजस्थानी में लीला हरे को कहते हैं। इसलिए लोग चित्रों में घोड़े को हरा भी कर देते हैं। बरसात के दिनों में आने वाली हरी टिड्डियों को लोग 'बाबे रा घोड़ा कह कर पुकारते हैं। विजोजी सांणीलीले घोड़े का उल्लेख इस तरह करते हैं -

'गिर भाखर री थळवटियां घूम रेयौ असवार।
लीलो घोड़ो हांसलौ राम कंवर महाराज।

बाबा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करता यह दोहा अत्यंत लोकप्रिय है जिसमें बाबा की उज्ज्वल, निर्मल परम्परा और उनके उज्ज्वल व्यक्तित्व के साथ ही थार धरती की पावनता व उज्ज्वलता का वयण सगाई छँद में वर्णन किया गया है -

'धर ऊजळ धवळी धजा, निरमळ ऊजळ नीर।
राजा ऊजळ रामदे, परचा ऊजळ पीर।।

बाबा की खुद की वाणियाँ मिलती है,जो उनके कवि होने और निर्गुण सम्प्रदाय के नजदीक होने के संकेत देती है, साथ ही सूफियों की भी नजदीकी ग्रहण करती लगती है।

लोक मान्यता है कि बाबा ने वि.सं. 1442 भाद्रपद सुदी ग्यारस के दिन जीवित समाधी ली। बाबा से पहले उनकी शिष्या डाली बाई ने समाधी ली। लोक आख्यानो आता है कि बाबा से आठ दिन बाद में साँखला हड़बूजी ने भी समाधी ले ली थी। साँखला हड़बूजी बाबा के मौसेरे भाई के रूप में ख्यात है। मारवाड़ के पाँचों पीरों में इन दोनों की ख्याति दुनिया जानती है। कवियों ने कहा है-

'बड़े पीर रामदे बाबा , गाँव रुणीचा काशी काबा।
छुआछूत शोषण को मेटा, जीवन भर दुखियों से भेंटा।।
ग्रामोत्थान के सूत्र सिखाए, करुणा के जल कण बरसाए।
आज जगत ईश्वर सम पूजे, चहुँ दिस में जैकारे गूंजे।।

– बनज कुमार 'बनज'

ढाणी कुमावंतन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, सांगानेर का नाम बदला

ढाणी कुमावंतन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, सांगानेर, जयपुर का वर्तमान सरकार ने नाम परिवर्तित करके महात्मा गांधी सरकारी इंग्लिश मीडियम स्कूल कर दिया है। इसके पीछे क्या कारण रहा यह स्थानीय निवासियों को नहीं बताया गया है। शायद सरकार यह भूल गई है कि इस स्कूल के निर्माण में कुमावत समाज एवं स्थानीय निवासियों का कितना अधिक योगदान रहा है।

सरकार के इस कृत्य से कुमावत समाज सांगानेर जयपुर बेहद नाराज है तथा स्थानीय निवासियों ने श्री ओम प्रकाश कुमावत अध्यक्ष कुमावत समाज के नेतृत्व में स्थानीय विधायक श्री अशोक लाहोटी से मिलकर मांग की है कि पुन: स्कूल का नाम परिवर्तित कर ढाणी कुमावंतन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, सांगानेर, जयपुर किया जाए।

इसके अतिरिक्त सरकार को इस आशय का ज्ञापन भिजवाकर स्कूल का नाम पूर्व की भांति करने की मांग की है। साथ ही कहा है कि यदि सरकार द्वारा मांग को स्वीकार नहीं किया गया तो स्थानीय कुमावत समाज आंदोलन एवं धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगा।

सामाजिक सशक्तिकरण में महिलाओं की भूमिका

यदि सामाजिक व्यवस्था के मूलभूत प्रारूप की बात की जाए तो हमारा समाज पुरुष प्रधान समाज यानि पितृसत्तात्मक समाज की श्रेणी में आता है। जहां महिलाओं को दूसरी श्रेणी का दर्जा प्राप्त है। प्राचीन काल में हमारे समाज में महिलाओं और पुरुषों को समान रूप से सम्मान दिया जाता था तथा समान अधिकार व स्वतन्त्रता प्राप्त थी। इसका उदाहरण हम आज भी पोराणिक कथाओं में देखते व सुनते हैं कि राजदरबार में राजा के समकक्ष रानियां राजगद्दी पर आसीन होती थीं। पर्दा प्रथा प्रचलन में ही नहीं थी तथा अपने विवाह का अंतिम निर्णय भी स्वयं स्त्री करती थी और स्वयंवर में अपना जीवनसाथी स्वेच्छा से चुनती थी। मध्यकाल में परिस्थितियों में उत्तरोततर बदलाव आए तथा महिलाओं की स्थिति समाज में खराब होती चली गयी। उनके अधिकारों का हनन होने लगा और वो शोषित होने लगी। कई कुरीतियों ने उनकी सुरक्षा के चलते तो कुछ कुरीतियों ने पुरुष शक्ति के प्रभाव से समाज में अनायास ही जन्म ले लिया, जो महिलाओं की स्वतंत्रता पर हावी होने लगी। महिलाओं का अस्तित्व चार दीवारी में सिमट कर कैद होने लगा। हालांकि किसी भी युग या काल की बात की जाए,म हिलाओं ने सदैव ही अपने साहस, त्याग, धैर्य और बुद्धिमता का परचम बखूबी लहराया है तथा हमारी संस्कृति की रक्षा में इनका अभूतपूर्व योगदान रहा है। फिर चाहे वे सीता, अनुसूया या सुलोचना हो या फिर महारानी लक्ष्मीबाई, रानी पद्मावती या पन्नाधाय हो। खैर धीरे-धीरे पुन: स्थितियाँ बदली। कई नियम, कानून व प्रावधान नारी हित के संदर्भ में बनें। जिनसे समाज में महिलाओं की स्थिति में उत्तरोत्तर सुधार हुए। 21वीं सदी में महिलाएं शिक्षा व जागरूकता के नवीनतम क्षितिज को छूने में बहुत हद तक सफल हुई हैं। आज पुन: हम समाज में महिलाओं को पुरुषों के समकक्ष खड़ा देख सकते हें। वे परिवार में, समाज में, राजनीति में और व्यवसाय इत्यादि में पुरुषों से एक कदम भर भी पीछे नहीं हैं। इसके अनगिनत ज्वलन्त उदाहरण आज हमें अपने समाज में ही देखने को मिल जाएंगे। बात चाहे जादूगरी की हो या कला की, शिक्षा की हो या खेलकूद की, राजनीति की हो या विज्ञान की, प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं ने राष्ट्र तथा विश्व स्तर पर हमारे यानि कुमावत समाज का नाम रोशन किया है।

समाज निर्माण से लेकर सशक्तिकरण तक का सफर महिलाओं के अस्तित्व से ही संभव है। सर्वप्रथम वो एक माँ के रूप में एक अंश को जन्म देती है तत्पश्चात् बालक के पालन-पोषण, शिक्षा, संस्कार तथा व्यक्तित्व निर्माण तक की समस्त गतिविधियों में स्त्री का अभूतपूर्व योगदान होता है अर्थात समाज निर्माण के आधार पर पुंज मनुष्य का चरित्र निर्माण स्त्री को दिए संस्कारों से ही सम्भव है। स्त्री के इस प्रारूप जिसे हम माँ कहते हैं, को आप बहिन, बेटी, पत्नी या एक बहु के रूप में अपने घर-परिवार के आँगन में देख सकते हैं।

जब भी समाज के विकास का जिक्र आता है तो नारी शक्ति की सहभागिता की भूमिका स्वत: ही हमारे मन मस्तिष्क पर अवतरित हो जाती है। यह सत्य भी है कि सामाजिक विकास धारा की यात्रा में पुरुष के एक कदम के साथ स्त्री का एक कदम उत्तरोत्तर आगे बढ़े तभी उद्देश्यों के शीर्ष सोपानों को प्राप्त करना संभव है। आज विश्व स्तर पर महिलाओं ने अपनी योग्यताओं का श्रेष्टतम परचम लहराया है। वास्तव में नारी सृजन व रचना की पूर्णता है। सम परिस्थिति में जो नारी देवी स्वरूप होती है, विषम परिस्थिति में वह दुर्गा व भवानी भी बन जाती है।

इन सबके बावजूद एक छिपा हुआ कटु सत्य आज भी अलौकिक शक्ति के स्वरूप नारी रूप की स्वतन्त्रता पर प्रश्नचिह्न खड़े करता है। आज भी स्त्रियां उतनी स्वतंत्र व सुरक्षित नहीं हैं जितनी हमें बाहरी रूप से दिखाई देती हैं। आज भी कन्या भ्रूण हत्या, दहेज प्रताड़ना तथा शारीरिक शोषण जैसी कई घिनौनी समस्याएं समाज से पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। तेजाब, लड़कियों के चेहरो पर ही क्यों फेंका जाता है और फेंका ही क्यों जाता है, इस सवाल का जवाब आज भी सामाज के पास नहीं है। आज भी बहुत सारी ऐसी मान्यताओं में बदलाव की आवश्यकता है जो वास्तव में नारी उत्थान की दिशा में सहायक हो सकें। ग्रामीण क्षेत्रों तक जागरूकता पहुंचे तथा हर नारी को अपने अधिकारों का ज्ञान व जानकारी हो। वे महिलाएं जिनमें कोई हुनर है तथा जो किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़कर अपना नाम रोशन करना चाहती हैं उन्हें समाज तथा सरकार द्वारा उचित अवसर प्रदान किए जाएं। प्रत्येक परिवार में विशेषकर ग्रामीणांचल परिवारों में नारी शिक्षा पर जोर दिया जाए। इन सब प्रयासों से निश्चित ही समाज में नारी उत्थान का मार्ग प्रशस्त होगा।

- उर्वशी बालोदिया

सीकर में समाज का सामुहिक विवाह

कुमावत समाज विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में अग्रणी रहते हुए नवाचार के उदाहरण प्रस्तुत करता रहता है। राष्ट्र में लगे लॉक डाउन के तुरंत बाद जब समूचा देश अर्थ व्यवस्था की खस्ता हालत से जूझ रहा था, समाज के भामाशाहों के सहयोग से कुमावत समाज की ओर से राज्य सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन्स का पालन करते हुए सीकर में सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया।

गौरतलब है कि मीडिया ने भी इस समारोह को सराहनीय कार्य माना।

बेटियां

बेटियां चिराग हैं घर का। जब तक माता-पिता के संग रहती हैं, कि घर में खुशियों का उजाला करती है और जिस घर बेटी नहीं होती वो घर सूना-सूना लगता है। बेटी गंगा के समान होती है जो प्यार की गंगा बहाती है। रूठती है मचलती है, इतराती हैं, मटकती हैं लेकिन सबका मन मोह लेती हैं। यदि माता-पिता भाई को कुछ हो जाये तो सबसे ज्यादा दु:खी बेटी ही होती है। उनके दुख को अपना दुख समझकर उनकी सेवा में तल्लीन हो जाती हैं। कहते हैं जिस घर में बेटी होती है, उसका आंगन सितारों की तरह चमकता है। वह माता का दुलार, भाई का स्नेह और पिता का आशीर्वाद पाकर आगे ही आगे बढ़ने का प्रयत्न करती है। खुद ही आगे नहीं बढ़ती बल्कि अपने भाई बहनों को भी आगे बढ़ते देखना चाहती है। बेटी सरस्वती, लक्ष्मी, दुर्गा का रूप है। समय की आवश्यकतानुसार वह कभी सरस्वती, कभी लक्ष्मी कभी दुर्गा बनकर अपने कार्य व व्यवहार से सबका मन जीत लेती है।

शादी होने के बाद जब पति के घर प्रवेश करती है तो प्रवेश लक्ष्मीस्वरूप होता है। पति की जीवन संगनी बनकर, सास-ससुर की बहू (बेटी समान) बनकर उनकी हर बात, हर सलाह को उचित आधार पर मानकर घर का मान बढ़ाती है। यदि कोई बात सही ना लगे तो बड़े प्रेम व आदर के साथ बताती है कि यह बात यों हो जाये, ये काम यों हो जाये तो ज्यादा ठीक हो सकता है। समझदार परिवारजन उसकी सलाह व अच्छी बातों को महत्व देकर काम करते हैं तो वहां खुशियों का अम्बार लग जाता है।

बेटियों का शिक्षित होना अति आवश्यक है। यदि बेटी शिक्षित होगी तो वह अपने बच्चों को भी उच्च शिक्षा दिलाने का प्रयास करेगी और यदि कोई परेशानी आयेगी या कोई अनहोनी हो जायेगी तो वो अपने प्रयासों से, अपने काम से आवश्यकता पड़ी तो हर तरह का काम करके भी वह अपने परिवार को सम्भाल कर बच्चों की पढ़ाई का प्रबन्ध करेगी। चाहे खुद भूखी रह जायेगी पर अपने पुत्र-पुत्रियों को कभी भूखा नहीं सोने देगी। संसार में पुत्र के समान पुत्री (बेटी) का भी पूरा महत्व है। उसे कभी भी निम्नस्तर का नहीं मानना चाहिए। परिवारजन पुत्र को अधिक महत्व देने का प्रयास करते हैं पर वो हो सकता है बेटे बड़े होकर माता पिता का ख्याल न रखें, वे उनसे अलग हो जायें, पर बेटी पति के घर जाकर भी आपसे दूर नहीं होती अर्थात मन से वह पति के परिवार के साथ पीहर के परिवार का भी पूरा ध्यान रखने का प्रयास करती है। यदि परिवार में बेटा नहीं है और केवल बेटी/बेटियां ही हैं तो वह बेटियां अपने माता-पिता को कभी भी बेटा नहीं होने का अहसास नहीं होने देती। वे स्वयं बेटे का रोल अदा करती है। अपने साथ उनको रखती है अथवा रखने का प्रयास करती है। सुख दु:ख में हमेशा तन मन धन से साथ देने को तैयार रहती हैं। बेटे-बेटी भी अपनी नानी माँ का उसी प्रकार ध्यान रखते है जिस प्रकार वे अपनी दादी माँ का ध्यान रखते हैं। मैंने कुछ परिवारों में प्रत्यक्ष देखा है कि बेटा नहीं होने पर अथवा बेटा दूर विदेश में होने पर बेटियाँ, बेटों के समान उनकी सार संभाल कर सेवा करती है। साल संभाल ही नहीं करती बल्कि उनकी हर बात का ध्यान रखकर उन्हें सही सलाह देकर उनके दु:ख को अपना दुख समझकर जितनी मदद हो सके वे करती हैं। इतना ही नहीं उनके दामाद भी अपनी माँ समान ईज्जत देकर उनकी सेवा का प्रयास करते हैं। वे घर धन्य है जिसमें बेटियां व दामाद हर सेवा कार्य में सास-ससुर का ध्यान रखकर उनको खुश देखना चाहते हैं। कहने का तात्पर्य है कि वे लोग बड़े भाग्यशाली हैं जिस घर आंगन में बेटियों की किलकालाहट गूंजती है। बेटियां एक नहीं दो घरों को संभालती है जबकि बेटे केवल अपना एकघर ही संभाल पाते हैं। बेटियां अपने दु:खों को भूलकर दूसरे के दु:खों को अपना दु:ख समझकर जो सेवा करती हैं, उसका कोई मुकाबला नहीं। इसलिए दोस्तों/बहनों अपनी बेटियों के मान-सम्मान का ध्यान रखकर उन्हें अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलाना, अच्छे संस्कारों से उसके जीवन को भर देना, फिर देखना सब जगह आपका परिवार या ससुराल का किस प्रकार से मान बढ़ाकर वे सबकी प्रिय बन जाती हैं। प्रण ले कि हम अपनी बेटियों को तो योग्य बनायेंगे ही बल्कि अन्य की बेटियों को भी योग्य व सुशिक्षित बनाने में पूरी पूरी मदद करेंगे। बेटियों का भी फर्ज है कि वे मान-मर्यादाओं का ध्यान कर अपने दोनों कुलों (पीहर व ससुराल) की इज्जत बढ़ाये, मान बढ़ाये व समाज में आदर्श पेश करें।

-कविता वर्मा (मारोठिया), मुम्बई

जयपुर शहर व्यवसाय डाइरेक्ट्री का प्रकाशन शीघ्र

'कुमावत इंडिया' पत्रिका शीघ्र ही समाज की एक बहुउपयोगी **व्यवसाय डाइरेक्ट्री** का प्रकाशन करने जा रही है। इसमें जयपुरनगर निगम क्षेत्र के व्यापारियों की दुकानों/संस्थानों/प्रोफेशनल्स का नाम, पता, फोन/मो. नं. आदि का एरिया वाईज प्रकाशन किया जावेगा। इस प्रकाशन के प्रधान सम्पादक हेमचन्द खड़गटा होंगे।

इसके प्रकाशन में लगभग 2 लाख रुपये का खर्च आना संभावित है। समाज के व्यापारियों, उद्योगपतियों, प्रोफेशनल्स एवं सेवाप्रदाताओं से अनुरोध है कि वे अपने संस्थानों का विवरण एवं विज्ञापन देकर सहयोग करें।

इसमें विज्ञापन की दरें निम्न प्रकार हैं

साईज	दर रुपए	साईज	दर रुपए
विजिटिंग कार्ड	400/-	1/6	800/-
1/4	1000/-	1/2	1800/-
1 पेज (अन्दर)	3000/-	कवर पेज 2	4000/-
कवर पेज 3	5000/-	कवर पेज 4	10000/-

कोरोनो काल - आर्थिक संकट से बचने का सवाल

भारत मे कोरोनो धीरे-धीरे एक महा संकट की तरह फैल रहा है, यह हम सभी जानते है।

परन्तु अगर हम महाराष्ट्र-तमिलनाडु, दिल्ली व गुजरात को अलग कर दे तो यह काफी हद तक सीमित हो चुका है। लोगो ने पिछले 4 महीने में काफी संयम और सहयोग किया है परन्तु **अभी लड़ाई खत्म नही हुई है, इसलिए अभी ज्यादा सतर्कता और सावधानी की जरूरत है।**

यह तो सेहत की बात हुई है।

अब जो हम बात करने वाले है वो थोड़ी गम्भीर है और इससे देश का कोई भी व्यक्ति बच नही सकता है ।

और वह है आर्थिक बीमारी की। जी हाँ, इस महामारी के जाते-जाते यह कितना नुकसान दे कर जाएगी इसकी कल्पना बड़ी भयावह है। 4 महीने में निम्न व मध्यम वर्ग की बचत समाप्त हो चुकी है, अब जीवनोपयोगी वस्तुओ को जुटाना भी बड़ी मुश्किल का काम होगा। जिन्होंने घर, कार, व्यापार, शिक्षा या घरेलू वस्तुए व क्रेडिट कार्ड लिए है, यदि सरकारी-गैर सरकारी संस्थानों से ऋण लिया है, उनके लिए **आर्थिक मोर्चे पर चुनोतियाँ काफी गम्भीर होने वाली है।**

Moratorium Period अब सरकार और रिजर्व बैंक कभी भी समाप्त कर सकते है और जैसे ही यह समाप्त होंगे अचानक से बैंकों व वित्तीय संस्थाओं की रिकवरी शुरू होगी जो एक भयावह परिणाम ले कर आयेगी।

हम आपको इसके परिणामो से डरा नही रहे है, हमारा उद्देश्य मात्र यह है कि आप इससे कैसे बचें या सुरक्षित रहे यही लक्ष्य है।

जिन्होंने अपने व्यवसाय में office-Shop-Factory किराए पर ले रखी है उनके किराए सिर पर होंगे, जो पिछले चार महीने से एक बड़ी राशि मे तब्दील हो चुके होंगे।

जिनके जॉब या नौकरी चली गई है उनके लिए तो यह और भी कड़ी चुनौती वाला समय होगा, क्योंकि किसी से भी मदद मिलना अब अति मुश्किल होगा। **हर व्यक्ति इस वक्त भविष्य की अनिश्चितता से घिरा हुआ है, तो वह इस स्थिति में नही होगा कि आपकी आर्थिक मदद कर सके।**

इसलिए आने वाले समय मे सभी को अपनी मदद स्वयं ही करनी होगी , यह समय समझदारी व कड़े फैसले लेने का होगा, लोग क्या कहेंगे या झूठी शान या इज्जत के वहम और दबाव से बचने का समय है।

हम भारतीय हमेशा कुछ न कुछ बचत करके चलने वाले लोग रहे है , साथ ही साथ हम सोने व गहनों के शौकीन भी होते है। हर घर में कुछ न कुछ सोना जरूर होगा। आज सोने की कीमत रू. 50 हजार के लगभग है। यह हम आपको क्यों बता रहै है इसका महत्वपूर्ण कारण है आने वाले आर्थिक संकट को पहले ही हम सीमित कर दे।

अब हम बात करते है क्या-क्या सम्भावनाये हो सकती है :-

होम लोन- अगर आपने होम लोन ले रखा है और जॉब या व्यापार खत्म हो चुका है तो आपके घर का सोना इस वक्त काम आएगा, घर का सोना हमेशा घर की महिलाओं से जुड़ा होता है। अत: उन्हें सबसे पहले अपने जॉब-व्यापार की स्थिति विस्तृत रूप से बताए, इससे उबरने का सही समय बताए अगर आपको लगता है 6 महीने का समय लगने वाला है तो आप 12 महीने का समय मान के चले। सोने/गहनों को आज ऊपर की रेट में बेचे और होम लोन को अगले 6 महीने तक सीमित करे। नोट- सोना आपको 12 महीने बाद 20% नीचे मिलेगा।

कार लोन : अगर आपने कार लोन पर ली है तो इसे बेच सकते है, क्योंकि कार एक घटती हुई सम्पति है न की बड़ती हुई। सामाजिक स्तर पर लगेगा कि लोग क्या कहेंगे पर आज और आने वाले समय में लोगो को अपनी ही समस्याओ से फुर्सत नही मिलेगी तो आप की कहां पड़ी है, वैसे भी यह समय दिखावट का नही अपने आप को आने वाले 2 वर्षो के लिए मानसिक,शारीरिक व आर्थिक दृष्टि से संभालने का है।

क्रेडिट कार्ड: अगर आपने क्रेडिट कार्ड पर लोन है तो सबसे पहले इसे ही खत्म करे, इसके लिए अपनी पत्नी, माँ, भाई, पिताजी या किसी से भी मदद ले पर इसको तुरंत बंद करे, चाहे आपको इसके लिए घर वालो के ताने या अपमान क्यों न सहना पड़े, पर इसे बंद करे।

अब हम बात करते है छोटे और मझोले व्यापार की:

ऑफिस : अगर आपने ऑफिस किराए पर है और आपको लगता है कि आपने इस लोक-डाउन में घर से काफी हद तक कार्य कर लिया है तो ऑफिस को तुरंत खाली कर सकते है।

अगर ऑफिस आपका स्वयं का है व सम्भावना है कि आप एक छोटे हिस्से से काम चला सकते है तो बाकी का हिस्सा किसी को किराए पर दे देवे, इससे आपकी ऑफिस भी रहेगा और कुछ हद तक एक पैसिव आय भी शुरू होगी।

जिनका बड़ा व्यापार है उन्हें भी इस वक्त अपने ऑफिस, गोदाम, और 'फिक्स कॉस्ट' में कटौती करनी चाहिए।

एम्प्लोयी : आपके व्यापार में जो मैन पॉवर है उसकी समीक्षा करें , उसमे अति आवश्यक को छोड़ कर अन्य जो एक प्रिविलेज में थे उन्हें तुरंत अलविदा कहे। जो कर्मचारी - कारीगर आपके व्यापार में वेरीयेबल पर काम कर सकते है तो उन्हें 'दाम ऑन काम' के

नियम से इस्तेमाल करे यानी वो 'जितना काम करे उतनी ही पगार।'

आपके व्यापार में गैर जरूरी विज्ञापन या प्रचार-प्रसार को तुरंत प्रभाव से बंद करदे।

आपके जो वेन्डर है उनसे नेगोशिएशन करें ताकि वो सामान और सेवा के रैट में किफायत करें और लैंडिंग टाइम ज्यादा दे।

अगर आपके व्यापार में कही भी गुंजाईश है तो वर्तमान समय की जरूरत के हिसाब से 30-40% व्यापार को आज के परिवेश में बदले जैसे फार्मा, ग्रॉसरी, FMCG, ऑनलाइन इत्यादि।

वित्तीय सलाह : छोटे व बड़े व्यापार को राहत देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार ने कई तात्कालिक व दीर्घकालिक योजनायें चलाई है, तो आप अपने वित्तीय सलाहकार से सलाह ले कि क्या आपका व्यापार उन सुविधाओं का लाभ ले सकता है?

अब हम बात करते है **जिनकी नौकरी जा चुकी है या जा सकती है उन्हें भी स्वंय के आत्म विश्लेषण करने की जरूरत है,** आज का समय सामाजिक रूप से एक एकांकी जीवन में तब्दील हो चुका है। अत: आपके पास जॉब नही है तो अपने आपको उन परिस्थितियों के लिए तैयार रखना होगा जिसमें **आजीविका के लिए कोई भी कार्य करने में शर्म महसूस न हो।**

सम्भावनायें : आज के समय मे 'वर्क फ्रॉम होम' में काफी सारे कार्य है जो आप कर सकते है जैसे : ब्लॉग राइटिंग, होम ट्यूशन, यूट्यूब वीडियो, SEO, प्रुफ रीडिंग, लेखन, चित्रकला, पाक कला, टिफिन, एकाउंटिंग, जॉब साइट, ऐप और वेबसाइट डेवलपमेन्ट, ऐसे कई काम है जो आप घर से कर सकते है, अगर आपको लगता है ऐसे कोई काम है जो आपको घर पर मिल सकता है जैसे कपड़े सिलना, कड़ाई, बुनाई, टिफिन, खिलोने, मास्क, सेनिटाइजर, होम क्लिनर, पापड़-बडी, आचार, नूडल्स, मसाले, व अन्य कोई भी वस्तु जो आप बना सकते है या किसी और के लिए बना सकते है तो अपने सामाजिक स्तर की परवाह किये बिना और काम को सम्मान देते हुए अपनी आजीविका को पुश करे, यकीन माने यह एक टेम्परारी पर्याय है जो आपको इस गहन समय से बाहर निकलने के लिए एक सहारा बनेगा। यकीन मानिए जो भी अनुभव आप सीखेंगे वह ताउम्र काम आएंगे। क्योंकि हमारा मानना है कि किया हुआ काम कभी व्यर्थ नही जाता ।

शादी व त्यौहार : अब हम बात करते है हमारे घर के खर्चो की जिसमे शादी-त्यौहार प्रमुख है तो हमारा मानना है यह सबसे सही समय है **पूरी संजीदगी और सादगी** से शादी करने का परिवार के 10-15 लोग **बिल्कुल एतिहात बरत कर** शादी ब्याह करे। यही बचाया पैसा बच्चो व आपके भविष्य के लिए काम आएगा क्योकि कोरोनो ने हमे यह सीखा दिया है कि जीवन मे ऐसी भी परिस्थिति भी आ सकती है जो हमने कभी सपने में भी नही सोचा था।

आने वाले समय मे जो त्यौहार आने वाले है उन्हें सादगी व सरलता से स्नेहपूर्ण परिवार के साथ मनाए किसी भी गैरजरूरी खर्च से बचना भी एक आय का ही रूप होती है।

ट्यूशन फी : अब एक बड़े खर्चे की बात करते है वह है बच्चों के ट्यूशन फीस की, तो अब 4 महीनों में आप समझ ही गए होंगे कि आप अपने आप से या मोबाइल से भी बच्चो को काफी हद तक पढा सकते हो ,तो जो ट्यूशन एक स्कूल की तरह पैरलल चल रही थी उनसे निजात पाए, अपने बच्चो की व्यवहारिक गुणवत्ता बढ़ाये न कि अंग्रेजी शिक्षा की, मात्र नम्बरो के खेल की।

बाहरी खाना : 4 महीनों ने हमे सीखा ही दिया है कि घर का खाना ही सबसे सर्वश्रेष्ठ है। अत: बाहर के जंकफूड और अस्वस्थ भोजन को खाने और उसके खर्च से बचा जा सकता है।

कपड़े व कॉस्मेटिक : आज हमें महसूस हुआ कि घर पर हम एक बरमूडा-शॉर्ट्स-टीशर्ट या महिलाओं के लिए भी एक हद तक घरेलू कपड़े, साजो सामान में जीवन बेहतरी से निकल सकता है तो मात्र ब्रांड के नाम के कपड़े और जहरीले कॉस्मेटिक से अपने आपको और अपनी जेब को कटने से भी बचा सकते है।

स्वरोजगार : अब हम बात करते है जो बेरोजगार है पढ़े लिखे है पर सरकारी नौकरी या बड़ी ऑफिस में ही काम करना चाहते है तो उन्हें आज के स्टार्टअप करने वाले युवाओं से सीखना चाहिए कि आज चाय-वडापाव-पानीपुरी-सब्जियां-कुरियर-कला-स्नख्र्त्त-हेंडीक्राफ्ट, टिफिन, जैविक पदार्थ, ट्रांसपोर्ट, डेयरी प्रोडक्ट, मसाले, ग्रोसरी ऐसे अनेक वस्तुएं है जिनमे आप अपना काम शुरू कर सकते है।

अगर आपके पास काम नही है तो चाय की दुकान खोले , यह आपको अजीब लगेगा इसे आप कमजोर न समझे पूरी दुनिया दिन में 4 बार कम से कम चाय पीती है तो सोचिये कितना बड़ा बाजार है। आप अपनी चाय की दुकान को बरिस्ता-काफिडे-स्टारबक्स की तरह सुविधा दे, शुद्ध चाय, बिस्किट फ्री, अखबार फ्री और WiFi फ्री करें और देखे लोग कैसे आपके यहाँ लाइन लगा के आते है, यह एक मात्र उदाहरण नही है बड़े शहरों में आज ये चाय की दुकाने बड़े स्टार्टअप में तब्दील हो चुकी है इसलिए याद रखे आज का समय आवश्यकता व आविष्कार का समय है आज झूठी शान या डिग्रियों के पुलिंदों का समय नही है।

'कर्म ही पूजा है' इसे मन्त्र बना लेवें।

स्वस्थ रहे, संघर्ष करें, मंजिले हर समय आपके लिए बाहे फैलाये खड़ी है । नमस्कार। – **मुकेश कुमावत (निमिवाल)**

श्री राम अवतार कुमावत RAS पदोन्नत हुए। आप अभी अतिरिक्त जिला कलेक्टर के पद पर है। पदोन्नत होने पर बधाई।

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत, बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

23 जून श्रीमती जमना देवी पत्नी स्व. श्री रामदयाल जी सरथल्या जयपुर
27 जून श्री अनेक सिंह जी नराणिया गुर्जर की थड़ी, जयपुर
2 जुलाई श्री कन्हैयालाल जी अजमेरा, बाजणी तलाई, सांगानेर
4 जुलाई श्रीमती दरप्यारी देवी पत्नी स्व. श्री टीम चन्द जी घोड़ेला, रामपुरा, जयपुर
5 जुलाई श्री मोहित वर्मा पुत्र श्री मोहन नराणिया, अग्रवाल फार्म, जयपुर
8 जुलाई श्री मदन लाल पुत्र स्व. श्री हनुमानप्रसाद जालवाल, खातीपुरा, जयपुर
13 जुलाई श्री छीतरमल (तोताराम) पुत्र स्व. श्री झूंगिराम जी, जयपुर
15 जुलाई श्री प्रभूदयाल जी वर्मा भोडीवाल, हांसपुरा, श्री माधोपुर
18 जुलाई श्रीमती मिश्री देवी पत्नी स्व. श्री भंवरलाल जी वराणिया, झोटवाड़ा, जयपुर

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

आप अपने पूर्वजों की स्मृति को चिरस्थाई बनाने के लिए कुमावत इण्डिया पत्रिका में 4000 रु. शुल्क जमा कराकर अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी) की पुण्य तिथि फोटो सहित 10 वर्ष तक 1/8 पेज पर मल्टीकलर में प्रकाशित करा सकते हैं।

श्री सोहनलाल अजमेरा एवं श्री चन्द्रप्रकाश जी अजमेरा दोनों ने अपनी धर्मपत्नी की श्रद्धांजलि हेतु पत्रिका को रुपए 4000 नकद दिये हैं। धन्यवाद!

नोट : शोक समाचार/तीये की बैठक की सूचना समाचार पत्र में प्रकाशन कराते वक्त नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लिखें। इस पत्रिका में श्रद्धांजलियाँ नि:शुल्क प्रकाशित की जाती हैं। प्रकाशनार्थ सूचित करें।

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवतियाँ

शिक्षा	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क नज़्बर	स्थान
			स्वयं	माता	दादी	नानी		
B.Sc.(comp.)	13.9.1985	4'9''	एनीया	लुनीया	अनावड़िया	नगरीया	9826014863	इंदौर
M.A.(Pub.Adm.)	15.9.1984	5'3''	मारोठिया	घोड़ेला	धुंधारिया	नीमीवाल	9414783441	जयपुर
B.Sc.(Fas. Desi.)	18.12.1990	5'2''	बबेरीवाल	सारड़ीवाल	घोड़ेला	खोवाल	8829850066	जयपुर
M.Tech.(VLSI)	10.7.1992	5'5''	मारवाल	खोरानिया	बबेरवाल	जलान्दरा	9414455586	जयपुर
M.Com.	2.10.1995	5'7''	घोड़ेला	मारवाल	खोवाल	मारोठिया	7014684078	श्रीमाधोपुर
M.com. rscit	29.1.1996	5'2''	जायलवाल	मारोठिया	केलगुलिया	रोहोरिया	9785297653	ज़्यावर
M.A.(Drawing)	17.12.1994	5'1''	अडानिया	घोड़ेला	खनाडिया	बासनीवाल	9893024189	इंदौर
BDS	3.8.93	5'0''	रेनीवाल	अजमेरा	माल	मारोठिया	9425379989	उज्जैन
B.Com. CPT Steno	1.6.97	5'0''	कुसुज़्बीवाल	कारगवाल	खड़गटा	गैदर	9414788382	जयपुर
सहायक लेखाकार M.com.(CA FINAL)	8.12.92	4'11''	धूमनिया	जेठीवाल	गुडीवाल	नागा	9314418204	जयपुर
B.A..	14.7.2000	4'11''	मारवाल	कोलूगरिया	पारमवाल	घासोलिया	9828449103	
Dip. Yoga M.A. Naturopathi	8.6.1993	5'6''	मारवाल	होदकास्या	खण्डारिया	बधानिया	8107577106	
MCA Soft. Eng. 4.7 lac.	23.3.1995	5'4''	दज़्बीवाल	खोवाल	मोरवाल	किरोड़ीवाल	6378159771	जयपुर

युवक

शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क नज़्बर	स्थान
				स्वयं	माता	दादी	नानी		
B.A.	diploma UDDAN प्राइवेट जॉब	18.6.95	5'7''	बिरथलया	गठेलवाल	आसीवाल	मारवाल	9319345190	दिल्ली
diploma (ele.)	प्राईवेट	24.11.93	5'9''	कण्डेरीवाल	घोड़ेला	मियानिया	अनावडिया	8769734177	जयपुर
Dip. comp	स्वयं का व्यवसाय	18.1.94	5'6''	रतिवाल	खोवाल	मारवाल	सिरोहिया	8955374602	जयपुर
M. Tech. (comp)	Software Eng.	15.7.90	5'9''	नेहरा	जलान्दरा	चन्दोरा	खनेरिया	8769065717	अजमेर
B.A.	प्राईवेट 32000 प्रतिमाह	12.2.88	5'2''	बालोदिया	माहर	खाटूवाल	मारवाल	8860161753	अलवर
M.Tech.	Teachers (PGT)	18.12.94	5'7''	सोकल	मारवाल	गुरिया	धमुनिया	9887385612	ज़्यावर
M. Com.	प्राईवेट	31.1.89	5'10''	नागा	घोड़िवाल	घोड़ेला	केकट्या	9887095883	जयपुर
M. Com.	प्राईवेट	19.7.94	6'0''	बरमुडा	अजमेरा	मारवाल	सुरलिया	7737512600	जयपुर
JE Com. sci.	प्राईवेट	2.1.94	5'8''	आसीवाल	मारोठिया	घोड़ेला	बालोदिया	9460545676	अजमेर
M.Com. CA Final	जूनियर अकाउंट ऑफिसर बीएसएनएल अहमदनगर	19.12.87	5'7''	घोड़ेला	खड़गटा	मारोठिया	खोरानिया	7339756613	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कैम्प कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. दादी, नानी का गोत्र सुविधा के लिये छोड़ा भी जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए श्री हेमचन्द खड़गटा मो.नं. 9351682036 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

समाजसेवी, दानदाता

श्री जयकिशन सोकिल

(शुभ लक्ष्मी क्रेन वाले, चौमूं)

को

कुमावत प्रगति ट्रस्ट में ट्रस्टी बनने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

बधाईदाता

नवीन कुमार भौरोंदिया

पुत्र श्री बाबूलाल जी

(बिल्टी वाले)

82, गोयल नगर, इंदौर (म.प्र.)

दयाप्रकाश जलांधरा

पुत्र श्री स्वामीदास

14बी, सम्पत्त फार्म, बिचोली रोड, इन्दौर (म.प्र.)

हेमचन्द जी खड़गटा, सतीश जी खाटूवाल, चिरंजी लाल जी, पद्मश्री सूंडाराम जी

श्री श्री श्री 1008 श्री गणेश जी महाराज की कृपा से

आयुष्मति प्रियंका (कशिश)

सुपुत्री श्रीमती दुर्गादेवी एवं चिरंजीलाल सिरस्वा (निवासी दांता)

संग

आयुष्मान पुष्पेन्द्र

सुपुत्र श्रीमती मुन्नी देवी एवं रूपनारायण मारवाल, जयपुर का

शुभ विवाह 30 जून, 2020 को 'द थीम होटल' जयपुर में सम्पन्न होने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु

दुल्हा पक्षः लक्ष्मीनारायण, मोहनलाल, सोहनलाल, रोबिन, उदय, हेमन्त मारवाल एवं समस्त परिवार एवं मित्रगण
डी-35, गोविन्दपुरी, रामनगर, सोडाला, जयपुर-302006

दुल्हन पक्षः श्रवण कुमार सिरस्वा
अनिल, अमित सिरस्वा एवं समस्त परिवार
कुमावतों का मोहल्ला, मु.पो. दांता, सीकर

श्रद्धापूर्ण पुण्यतिथि

स्व. 09-07-1987 स्व. 21-06-1990

33वीं पुण्यतिथि
स्व. श्री रामसहाय जी वर्मा
मुम्बई

30वीं पुण्यतिथि
स्व. श्रीमती दुर्गा देवी वर्मा
मुम्बई

आपकी कर्म – प्रेरणा ही हमारे जीवन की अमूल्य सम्पत्ति हैं
आपके आशीर्वाद से ही आने वाली पीढ़ी को भी
आपकी तरह गतिशील बनाने में प्रयासरत् रहेगें।

आपके स्मरण में

शशीकुमार वर्मा – इन्द्रा वर्मा (पुत्र – पुत्र वधु)
विजय वर्मा – मनीषा वर्मा (पौत्र – पौत्र वधु)
अंजू वर्मा – नवीन जी वर्मा (पौत्री – पौत्री दामाद)
अर्चना वर्मा – योगेश जी वर्मा (पौत्री – पौत्री दामाद)
आरव एवं ईशान (पड़ पौत्र) एवं समस्त सिरसवा परिवार (मुम्बई-इन्दौर)

भावपूर्ण पुण्यतिथि

स्व. 15-07-1972 स्व. 23-06-2007

48वीं पुण्यतिथि
स्व. श्री रामसहाय जी देवत
इन्दौर

13वीं पुण्यतिथि
स्व. श्रीमती संज्या देवी देवत (अम्मा)
इन्दौर

मुझे गर्व है, कि भगवान श्रीराम और सीतामाता के समान
नाना–नानी का मैं दोहित्र हूँ आपके रामायण समान जीवन – ग्रंथ का
असली ज्ञान ही मेरे द्वारा अर्जित की गई शिक्षा और पूँजी है।
सदैव आपका नाम उजागर रखने में प्रयासरत् रहूँगा।

आपका दोहित्र
विजय शशी कुमार वर्मा
सुपुत्री एवं दामाद – विमल – बाबूलाल वर्मा,
कु. चन्द्रा आर. देवत, इन्द्रा – शशि कुमार वर्मा
आरव एवं ईशान (पड़ दोहित्र)
शशी कुमार वार्मा मो. 9179261748, विजय वर्मा 9167516693

श्रद्धांजलि

हमारे प्रिय
श्री मदनलाल जालवाल
के स्वर्गवास 8 जुलाई, 2020 को हो जाने पर
अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

नारायण लाल सिरोहिया, कल्याणमल मारवाल, ओमप्रकाश कारगवाल ब्यावर,
नरेन्द्र आर्य ब्यावर, हनुमान खोवाल, मोहन मामोड़िया ओ.के. पेंट, हेमचन्द्र खड़गटा
एवं सभी भन्देबालाजी पदयात्रीगण

स्व. 14.06.2004

16वीं पुण्यतिथि
14.06.2020

स्व. श्रीमती सजन कुमावत
धर्मपत्नी श्री हीरालाल कुमावत
भारतीय स्टेट बैंक मुख्य प्रबन्धक रिटायर्ड

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजति अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वतः

ससुर : श्री किशन लाल दम्बीवाल, सासः श्रीमती गुलाब देवी, माताः श्रीमती कोयली देवी
देवर-देवरानी : सुन्दरलाल -सरस्वती देवी, डॉ.महेश -रितु, पुत्र-पुत्रवधु : नरेन्द्र नारायण -संतोष
कमल नारायण - ममता, पौत्र- हिमांशु, पौत्रिया : रोहिणी, डीवीजा
पुत्री-दामाद : अनुसूया -महेश जी, दोहिताः पुनीत, दोहिती : मीसा,
ननद-ननदोई : रामेश्वरी -हनुमान सिंह जी, सन्तरा -श्री महावीर प्रसाद जी
सुमन - श्री गोविन्द राम जी

निवास : ई-2/360, चित्रकूट योजना, अजमेर रोड, जयपुर
मो. 9950999121, 9783047343

आभार

हमारे प्रिय
श्री मदनलाल जालवाल
(सुपुत्र स्व. श्री हनुमान प्रसाद जी जालवाल)
(भन्दे बालाजी पदयात्रा ले जाने वाले)
का देवलोक गमन 8 जुलाई, 2020

को होने पर समाज बन्धु, सगे सम्बन्धियों, राजनेताओं, शुभचिंतकों, मित्रगणों एवं सामाजिक संगठन, संस्थाओं के द्वारा व्यक्तिशः, पत्रों द्वारा, वॉट्सएप द्वारा हमारा मनोबल बढ़ाया, उसके लिए हम सब परिवार जन हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आभारकर्ता

चाचाः छोटीलाल, भगवानसहाय, मूलचन्द, रूपनारायण, लल्लू प्रकाश, प्रकाश चन्द जालवाल, भ्राता : मुकुट बिहारीजालवाल, पुत्र : सतीश जालवाल, लोकेश जालवाल,
भतीजे : ललित, राकेश, राजकुमार,विजय, अश्वनी जालवाल

• पार्वती फ्लोर मिल्स, शिव विहार कॉलोनी, खातीपुरा, जयपुर मो. 7877532319, 8824546590

सौजन्यः पिंकसिटी इलेक्ट्रीकल्स, वनस्थली मार्ग, जयपुर

श्रद्धांजलि

हमारे प्रिय

डॉ. एन.के. कुमावत (घोड़ेला)

(संस्थापक एन.के. डेन्टल हॉस्पिटल)

की प्रथम पुण्य तिथि 12 जुलाई, 2020

हम सभी परिवारजन अश्रुपूरित नेत्रों
से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

आपके स्मरण में

श्रद्धावनत

सास : श्रीमती गायत्री (धर्मपत्नी स्व. श्री गुलाब चन्द्र बालोदिया)

साला सहलज : गजेन्द्र-गरिमा, लोकेन्द्र-हनिता बालोदिया

निवास स्थान : A-I, किसान मार्ग, बरकत नगर, जयपुर

मोबाईल नं. : 9829212772, 9829009036

श्रद्धांजलि

पंचम पुण्यतिथि

दिनांक : 3 सितम्बर 2015

स्व. श्रीमती शारदा देवी

हम सब परिवारजन सजल नयनों
से सहृदय श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित
करते हैं।

श्रद्धावन्त

पति : श्री शंकरलाल खण्डारिया

पुत्र-पुत्रवधु : राजेश-उमेश देवी, सुरेश-शशि देवी, शेखर-सुनीता देवी,

पुत्री-दामाद : मंजूदेवी - जोगेन्द्र जी

पौत्र-पौत्रवधु : ऋतुराज - योगिता, पौत्र : योगेश, हिमांशु,

पौत्री-पौत्री दामाद : ज्योति - रामकिशन जी,

पौत्री : हेमलता, चित्रा, जया, दीपिका, प्राची

एवं समस्त खण्डारिया परिवार

फर्म : -

1. **शारदा डेंटिंग पेंटिंग, ढ़ेहर के बालाजी**
   ▪ 9314241884 ▪ 8619022198 ▪ 9314135525
2. **साई तीर्थ यात्रा सेवा समिति , पटेल कॉलोनी** ▪ 8619022198

निवास : 36, पटेल कॉलोनी, गवर्मेंट प्रेस के सामने, सी स्कीम, जयपुर (राज)

श्रद्धांजलि

हमारे प्रिय

डॉ. एन.के. कुमावत (घोड़ेला)

(संस्थापक एन.के. डेन्टल हॉस्पिटल)

की प्रथम पुण्य तिथि 12 जुलाई, 2020

हम सभी परिवारजन अश्रुपूरित नेत्रों
से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

आपकी सादगी, आदर्श एवं त्यागमय जीवन
हमारे लिये सदैव प्रेरणास्त्रोत बने रहेंगे।

निर्वाण तिथि 12.7.2019

श्रद्धावनत

माता-पिता : श्रीमती मनोहर देवी-डॉ. आर.एल. वर्मा, धर्म पत्नी : डॉ. रजनी,
पुत्र : शितिज पुत्री : डॉ. सृष्टी, भ्राता-भ्राता बहु : चितरंजन-उर्मिला, भतीजे: तरुण,
कुशल, बहन-बहनोई : श्रीमती गायत्री-मिलिन्द नाईक (पूना), डॉ. हेमा-नरेश

प्रतिष्ठान

एन.के. डेन्टल हॉस्पिटल
एपेक्स मॉल लालकोठी, जयपुर-0141-2741071

ब्रांच : एन.के. डेन्टल हॉस्पिटल,
पर्ललेन आदिनाथ नगर, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर मो. 9602888999

नए ट्रस्टी

श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल)

श्री राजेश मरोडिया

नए व्यवस्थापक

श्री चेतन बालोदिया

श्री राजेश धुंधारिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट में नियुक्तियों पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट (रजि.)

12th CBSE

कला वर्ग

93%

यतिका

सुपुत्री इन्द्रा-विजय खड़गटा
सुपौत्री स्व. कन्हैयालाल खड़गटा

वाणिज्य वर्ग

87%

तरुण कुमावत

पुत्र संगीता-मनीष खड़गटा
सुपौत्र हेमचन्द खड़गटा

वाणिज्य वर्ग

86%

हर्षिता कुमावत

पुत्री सीमा-शंकर भौरोदिया
सुपौत्री स्व. श्री रामदयाल

वाणिज्य वर्ग

81%

साक्षी

पुत्री किरण-पंकज खड़गटा
सुपौत्री चन्द्रकांत खड़गटा

एवं समाज के समस्त छात्र-छात्राओं को उत्तीर्ण होने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हेमचन्द खड़गटा
अध्यक्ष

कस्तूरमल कुमावत
सचिव

चेतन कुमावत (धुंधारिया)
उपाध्यक्ष

लालचन्द धुंधारिया
कोषाध्यक्ष

ट्रस्टी : रेखा सिंह बैथाड़िया, निकिता राजोरिया, सतीश खड़गटा, शैलेन्द्र खड़गटा, मोहित धुंधारिया

85, अशोक विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302018
रजि. कार्यालय-2806, खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

Raj Blocks

Since-1977

OFFSET PRINTERS

Nr. Sai Baba Temple, Choura Rasta, Jaipur
Mob: 9829059312, 9829436551
E-mail : rajblocks@yahoo.com

PRESS

B-81, Road No.4,
Kartarpura Ind. Area,
22 Godown, Jaipur
Ph.: 0141-4022538
Mob: 9414052736 • 9928910068

A COMPLETE PRINTING SOLUTION

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com
Website : www.sandalwood.cn.com

Speciality :
1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064306

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषिति

प्रेषक : हेमचन्द्र कुमावत, प्रकाशक
कुमावत प्रगति ट्रस्ट, म.न. 2806, खड़गटा भवन,
मोती डूंगरी, जयपुर-302004